राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 30 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-161 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामूहिक रूप से बाहर करने की स्थिति आई तो सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप करेगा

-विशेष गहन पुनरीक्षण मामले की सुनवाई 12 अगस्त तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। चुनाव आयोग द्वारा तैयार हो रही मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंका पर शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि सामूहिक रूप से बाहर करने की कोई स्थिति आती है, तब सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की इस आशंका को दूर करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग की ओर से तैयार हो रही मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों को बाहर किया जा रहा है।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण पेश हुए। उन्होंने कहा कि जिन 65 लाख लोगों ने फॉर्म जमा नहीं किया, उन्हें बाहर किया गया है। चुनाव आयोग का दावा है कि वे या मर चुके हैं या स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं। प्रशांत भूषण ने पीठ को बताया कि इन लोगों को सूची में शामिल होने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर किया जाता है, तब अदालत इस पर गौर करेगी इसतरह के मामलों को अदालत के संज्ञान में लाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी कर कहा, हम बात सुनने को तैयार है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, और इसलिए आयोग से अपेक्षा की जाती है कि वह कानून के अनुसार कार्य करे।

देवघर में बस-ट्रक भिड़े, 6 कांवड़ियों की मौत

इनमें 4 बिहार के, ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिरा, 100 मीटर बिना ड्राइवर के चली बस

देवघर। बस और ट्रक के बीच टक्कर में 6 कांवड़ियों की मौत हो गई। 24 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली। देवघर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया- 'सुबह लगभग 05:30 बजे मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस हादसा हुआ है। इसमें 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। 24 लोग घायल हैं। 8 घायलों का AIIMS में इलाज चल रहा है। बाकी लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं।' हालांकि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर 18 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। न्यूज एजेंसी ने भी सांसद के हवाले से 18 लोगों की मौत की बात कही थी। पीएम मोदी, सीएम हेमंत सोरेन और राज्यपाल ने हादसे पर दुख जताया है। 40 कांवड़ियों से भरी बस देवघर से बासुकीनाथ जा रही थी। देवघर से 18 किमी पहले बस सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, बस ड्राइवर को झपकी आ जाने

के कारण हादसा हुआ। टक्कर के बाद ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिर गया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही 3 महिला कांवड़ियों की घटनास्थल पर जान चली गई। 6 मृतकों में 4 बिहार के हैं। इनमें बेतिया की दुर्गावती देवी (45), पटना की संता देवी, गयाजी से सुमन कुमारी और वैशाली के पीयूष कुमार (19) हैं। ड्राइवर सुभाष तूरी (30) देवघर का रहनेवाला था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बस से घायल कांवड़ियों को निकाला और मोहनपुर थाने की सूचना दी। बस में सवार रहे मोतिहारी के अनिल यादव ने बताया, 'घटना सुबह 5 बजे के करीब की है। देवघर से बस कांवड़ियों को लेकर जा रही थी। दूसरी ओर से गैस सिलेंडर लदा हुआ ट्रक आ रहा था। दोनों में टक्कर नावापुरा गांव के जमुनिया हॉस्पिटल के सामने में हुई।' '5 लोग तो मौके पर ही मर गए। घायलों की गिनती नहीं कर पाया। 3 से 4 लोगों की स्थिति बहुत गंभीर थी।' देवघर सदर SDO रवि कुमार ने बताया, '5 लोगों की मौत हुई है। 24 लोग जख्मी हैं, जिनका इलाज चल रहा है। कुछ लोगों को ज्यादा चोट आई है, जिन्हें रेफर किया जा सकता है। सभी का देवघर सदर अस्पताल में इलाज हो रहा है।'

शाह बोले: पहलगाम हमला करने वाले 3 आतंकी ढेर

इनके नाम सुलेमान, फैजल और जिब्रान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरूआत पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने से की। उन्होंने बताया कि जिन आतंकियों ने बैसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान हैं। ये तीनों पहलगाम हमले के आतंकी थे और तीनों मारे गए। उन्होंने सदन में इसके सबूत भी दिए। शाह ने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों की भी पहचान हो गई है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। शाह ने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा, आतंकवाद, सोनिया, चिदंबरम, अटलजी, मनमोहन सिंह, चीन,

कश्मीर, आर्टिकल 370 का जिक्र किया। लेकिन अमेरिका, सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले। ऑपरेशन सिंदूर से ऑपरेशन महादेव कैसे चलाया इसकी जानकारी दी। इंदिराजी ने पाकिस्तान के 2 टुकड़े किए। यह बहुत बड़ी विजयी थी और हम सब भी इस पर गर्व करेंगे, लेकिन युद्ध की चकाचौंध में हुआ क्या। शिमला में समझौता हुआ, पीओके मांगना ही भूल गए। अगर उस वक्त पीओके मांग लेते, तो ना रहता बांस न बजती बांसुरी। पीओके तो मांगना ही भूल गए, 15 हजार वर्ग किमी की जीती जमीन भी दे दी।₹'पाकिस्तान के 195 अधिकारियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलना था, भुट्टो उन्हें इंदिरा जी के सामने से छुड़ाकर ले गया। जनरल मानेकशॉ ने कहा कि भुट्टो ने भारत के नेतृत्व को मूर्ख बनाया। ये हमको सिखा रहे हैं कि ये नहीं किया, वो नहीं किया।₹₹मैं आज पूछना चाहता हूं, 62 के युद्ध में क्या हुआ। 30 हजार वर्ग किलोमीटर अक्साई चिन का हिस्सा चीन को दे दिया गया। उस पर सदन में नेहरू जी ने कहा कि वहां घास का एक तिनका नहीं उगता, उस जगह का क्या करेंगे। उनका सिर मेरे जैसा था। एक सदस्य ने कहा कि आपके सिर पर भी एक भी बाल नहीं है, उसे चीन भेज दें क्या।₹ ₹मैंने एक दिन सलमान खुर्शीद के बयान को सुना कि उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बाटला हाउस एनकाउंटर पर रो पड़ीं। अरे शहीद मोहनलाल के लिए रोना था। आप कहेंगे तो कल सलमान खुर्शीद के उस बयान को संसद में दिखा देंगे।₹₹मैं यूपीए सरकार और हमारी सरकार के कामकाज का लेखाजोखा रखना चाहता हूं। यूपीए सरकार में कश्मीर में जो आतंकी घटनाएं हुई, उनमें मोदी सरकार में कमी हुई। सुरक्षाबलों की मौत यूपीए में 1060 थी और हमारे समय में आधी रह गई है।₹अनुच्छेद 370 ने कश्मीर में आतंकवादी इकोसिस्टम को तबाह कर दिया है। एक जमाना था आतंकियों के जनाजे निकलते थे, अब जो मारा जाता है, उसे वहीं दफना दिया जाता है। आतंकियों का महिमामंडन करने की इजाजत मोदी सरकार में नहीं है।

सांप के काटने से बच्चे की मौत

मथुरा। फरह क्षेत्र के ग्राम पींगरी के जाटव बस्ती में मंगलवार की सुबह एक मासूम बच्चे की नींद में ही सांप के काटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 8 वर्षीय धीरज पुत्र दिनेश के रूप में हुई है। परिवारजनों के अनुसार, धीरज सोमवार की शाम को सामान्य रूप से अपने घर में सोया था। सुबह जब परिजनों ने उसे उठाने की कोशिश की तो वह अचेत अवस्था में मिला। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों की प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत सर्पदंश के कारण हुई है। रात्रि में सोते समय बच्चे को सांप ने डंसा था। गहरी नींद में होने के कारण वह कुछ बता नहीं सका।इस घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। धीरज की मौत से उसके माता-पिता और परिवार गहरे सदमे में हैं। पूरे गांव में मातम का माहौल है।

दिल्ली में आफत वाली बारिशः जलभराव के बाद लगा जाम

आतिशी ने रेखा सरकार को घेरा, एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत एनसीआर में मंगलवार सुबह से ही बारिश हो रही है। तेज बारिश की वजह से कई इलाकों में पानी भर गया है। जलभराव होने की वजह से ट्रैफिक जाम लग गया है। बीती रात से ही रूक-रूक कर बारिश हो रही है। वहीं बारिश की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी गई है। जबकि पूर्व सीएम आतिशी ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल पूछा है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने बारिश के बीच हो रहे जलभराव पर दिल्ली सरकार को घेरा है। एक्स पर पोस्ट साझा कर आतिशी ने लिखा कि प्रगति मैदान के सामने वाली सड़क का हाल देखिए... 10 मिनट की बरसात हुई और दिल्ली पानी पानी हो गई। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आगे लिखा कि ये 4 इंजन वाली कमाल की सरकार है। पूछा कि कहां हैं दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और क्या कर रही हैं मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता। राजधानी दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण इंडिगो, स्पाइसजेट और एयर इंडिया जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। उड़ान संचालन में संभावित व्यवधान की चेतावनी दी गई है। भारी बारिश की वजह से कई उड़ानों पर असर पड़ा है। मंगलवार सुबह जैसे ही लोगों ने आंखें खोलीं, चारों ओर एक सुहावना और ठंडक भरा मौसम दिखाई दिया। आसमान से बादल झूम-झूमकर बरसे, लेकिन इस खुशनुमा बारिश ने लोगों को राहत के साथ-साथ मुश्किलें भी दीं। शहर के कई इलाकों में जलभराव ने राहों को रोकने की कोशिश की, मगर मंजिल की चाह में लोग भीगते हुए भी अपने-अपने सफर पर निकल पड़े। मध्य दिल्ली के पटेल नगर इलाके में हुए जलभराव में से बचते-बचाते लोग निकलते दिखे। सोमवार को भी सुबह से ही बादल और सूरज के बीच अठखेलियों का खेल जारी रहा। दिन के समय कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसने और उमस भरी गर्मी बढ़ा दी। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का 84 से 64 फीसदी रहा।

कांग्रेस को न भारत के सामर्थ्य पर भरोसा न सेना पर, उनके नेताओं के उथलेपन को दुनिया ने देखा

- लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी ने जवाब दे कहा- भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से किसी ने नहीं रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है। यूएन के 193 देशों में सिर्फ 3 देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि देश-दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला। लेकिन दुर्भाग्य है कि मेरे देश के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला है। 22 अप्रैल के हमले के बाद 3-4 दिन में ही ये उछल रहे थे, कह रहे थे कहां गई 56 इंच की छाती, कहां गया मोदी, मोदी फेल हो गया। क्या मजा ले रहे थे। उन्हें लग रहा था कि इस बार बाजी मार ली। कांग्रेसी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे। अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए मुझ पर लगातार निशाना साध रहे थे। कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी उथलापन से देश के सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा रहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को न भारत के सामर्थ्य पर भरोसा है। न सेना पर इसलिए वे लगातार सवाल उठा रहे हैं। ऐसा करके मीडिया में छा सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिलों में जगह नहीं बना सकते।

पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान सोच नहीं सकता था कि कोई बहावलपुर मुरीदके भी जमींदोज कर सकता है। लेकिन हमारी सेनाओं ने आतंकी अड्?डों को तबाह किया। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि भारत अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देगा। पीएम मोदी से पहले राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाया। अगर दम है तब प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। कहें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारा एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा।

राहुल गांधी को करार जबाव देकर पीएम मोदी ने कहा कि मैं डंके की चोट पर दोबारा दोहराता हूं भारत की सेना ने पाकिस्तान की सेना को चंद मिनट में बता दिया कि हमारा ये लक्ष्य था हमने पूरा कर दिया। ताकि उन्द्धहें यह पता चले कि हमारे दिल दिमाग में क्या चलता है। हमारी सेना ने अपना लक्ष्य सौ प्रतिशत हासिल किया है। अगर पाकिस्तान में समझदारी होती, तब आतंकियों के समर्थन में खुलेआम न खड़ा होता है।

उसने निर्लज्ज होकर आतंकियों के साथ खड़े होने का फैसला किया। हम पूरी तरह तैयार थे। मौके की तलाश में थे, लेकिन हमारा लक्ष्य साफ था कि आतंक और आतंकियों को नष्ट करना। 9 मई की रात हमारी मिसाइलें पाकिस्तान के हर कोने में प्रचंड प्रहार किया, जिसकी उसके कभी कल्पना नहीं की थी, हमारे प्रचंड प्रहार से पाकिस्तान को घुटनों पर आने मजबूर कर दिया। आपने देखा होगा कि वहां से लोगों के क्या बयान आते थे कि अरे मैं स्विमिंग पूल में नहा रहा था, मैं दफ्तर जाने की तैयारी में था। मैं सोच भी नहीं पाया और भारत ने हमला कर दिया। इसके बाद पाकिस्तानी डीजीएमओ न गुहार लगाई बस करो बहुत हो गया, अब और ज्यादा मार झेलने की ताकत नहीं है। इसके बाद सीजफायर हुआ।

मैं आज दोबारा कह रहा हूं कि यह भारत की स्पष्ट और सेना के साथ मिलकर तैयार की गई नीति थी कि हमारा लक्ष्य क्या है। हमने पहले दिन ही कहा था हमारा एक्शन नॉन एक्सेलेटरी है। दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा।

पीएम मोदी ने कहा कि बालाकोट के समय भी यही हुआ। हमारी सेना ने अंदर घूसकर मार दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के समय हमारा लक्ष्य तय था। हमारा लक्ष्य था कि आतंक के जो एपिसेंटर हैं, जहां से योजना बनी ट्रेनिंग मिली उस पर हमला किया जाएगा। हमने उनकी नाभि पर हमला कर दिया। जहां पहलगाम के आर्तकियों का रिक्रूटमेंट हुआ, ट्रेनिंग मिलती थी, उस जगह को आइडेंटिफाई किया और ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों की नाभि पर प्रहार किया। इस बार भी हमारी सेना ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करके देश के सामर्थ्य का परिचय दिया। देश भूलता नहीं देश को याद है, 6 मई को ऑपरेशन सिंदूर हुआ, 7 मई को प्रेस वार्ता स्पष्ट कर दिया कि आतंकियों अड्डे, आकाओं को हम नष्ट करना चाहते हैं। हमने स्पष्ट कर दिया कि हमने जो तय किया वह कर दिया।

मंडी में बादल फटने से फिर बरपा कहर, तीन की मौत, मलबे में दबीं कई गाड़ियां

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भारी बारिश ने फिर तबाही मचाई है। बादल फटने से इस बार मंडी शहर के विभिन्न स्थानों पर कहर बरपा है। मंडी शहर के जेल रोड़ में अभी तक तीन लोगों की पानी के बहाव में बहने से मौत की पुष्टि हुई है। एक महिला का शव मलबे में दबी गाड़ियों के बीच में फंसा हुआ था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकला गया। मलबे में फंसे कई लोगों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला गया। मंडी सदर क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थान आज बंद रखने का फैसला लिया गया। बादल फटने के बाद आई बाढ़ में दर्जनों

छोटे-बड़े वाहन मलबे में दब गए हैं और कुछ बह गए हैं। इसके अलावा पैलेस कॉलोनी, जोनल अस्पताल और अन्य स्थानों पर बारिश ने कहर बरपाया है। पुलिस विभाग, एनडीआरएफ, होमगार्ड और अग्निशमन विभाग की टीमों की ओर से बचाव एवं राहत कार्य चलाया जा रहा है। मृतकों में बलबीर सिंह पुत्र कृष्ण सिंह, अमनप्रीत सिंह उर्फ सनी पुत्र दर्शन सिंह व सपना पत्नी दर्शन सिंह के रूप में हुई है। एक व्यक्ति दर्शन सिंह घायल है और उपचार के लिए मंडी के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर वासियों ने डर के साए में पूरी रात काटी। सुबह नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक सदर अनिल शर्मा, नगर निगम के मेयर वीरेंद्र भट्ट, कमीशनर रोहित राठौर और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसपी मंडी साक्षी वर्मा भी मौके पर मौजूद रहीं। ब्यास, सुकेती, और सकोडी खड्ड के उफान पर होने से साथ लगते घरों के लोग भी सहम गए। धर्मपुर लोनिवि मंडल कार्यालय व अधीक्षण अभियंता कार्यालय के ऊपर भारी भूस्खलन हुआ है।

2 लाख श्रद्धालुओं ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

उज्जैन। नागपंचमी के मौके पर मध्यप्रदेश के शिवालयों और नाग मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट रात 12 बजे खोले गए। महानिवार्णी अखाड़ा के महंत श्री विनीत गिरी महाराज ने त्रिकाल पूजन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। सुबह 10 बजे तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। बारिश के बावजूद गेट नंबर 4 पर भक्तों की 2 किमी लंबी लाइन लगी है। श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट हर साल सिर्फ एक बार

नागपंचमी के दिन 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। क्राउड मैनेजमेंट और सिक्योरिटी के लिए 200 सीनियर अफसर, 2500 कर्मचारी, 1800 पुलिसकर्मी और 560 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंगलवार दोपहर 12 बजे महानिवार्णी अखाड़ा की ओर से पूजन होगा। शाम को भगवान महाकाल की आरती के बाद पुजारियों और पुरोहितों द्वारा अंतिम पूजा की जाएगी।

आनंदीबेन पटेल के नाम नया रिकॉर्ड

यूपी में राज्यपाल के रूप में 6 साल पूरे; पीएम मोदी से नजदीकी है बड़ी वजह

लखनऊ। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम आज एक नया रिकॉर्ड दर्ज हो गया। उन्होंने यूपी में सबसे ज्यादा समय तक राज्यपाल बने रहने का गौरव हासिल किया है। इससे पहले किसी भी राज्यपाल ने यूपी में 6 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। उनके नाम मोदी सरकार में सबसे ज्यादा समय तक राज्यपाल रहने का भी रिकॉर्ड दर्ज है। हालांकि वह अभी देश में सबसे अधिक समय तक राज्यपाल रहने वाले टॉप- 5 लोगों की सूची में शामिल नहीं हैं। आनंदीबेन पटेल ने 7 अगस्त, 2016 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। फिर वह छत्तीसगढ़, उसके बाद मध्यप्रदेश की राज्यपाल बनीं। 29 जुलाई, 2019 को उन्हें यूपी का राज्यपाल बनाया गया था।मोदी सरकार में 7 साल 187 दिन तक राज्यपाल रहने का रिकॉर्ड भी आनंदीबेन के नाम ही है। मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में किसी भी राज्यपाल को एक कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा मौका नहीं मिला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि

आनंदीबेन अभी कुछ और दिन राज्यपाल के पद पर रह सकती हैं। उनकी नियुक्ति आदेश में भी साफ है कि 5 साल या अगला राज्यपाल नियुक्त होने तक वह यूपी की राज्यपाल बनी रहेंगी। वैसे भी केंद्र सरकार और भाजपा में उनकी मजबूत पकड़ है। राज्यपाल आनंदीबेन बीते एक साल में यूपी में ज्यादा सक्रिय दिखीं। उन्होंने पहली बार मीडिया से बात करते हुए प्रदेश सरकार के कामकाज के बारे में बेबाक राय रखी। इतना ही नहीं, प्रदेश के विधायकों को राजभवन में भोज भी दिया। राज्यपाल की पुस्तक के विमोचन में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी राजभवन आए थे। राज्यपाल ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य को राखी भी बांधी थी। राज्यपाल आनंदीबेन ने राजभवन के दोनों मुख्य प्रदेश द्वार पर दो द्वार बनवाए हैं। एक द्वार पर कमल के फूल खिलते हुए दिखाए गए हैं। कमल का फूल सत्तारुढ़ भाजपा का चुनाव चिह्न भी है। इसको लेकर सत्ता, शासन और राजनीतिक दलों में काफी चर्चा भी रही। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक आनंद राय बताते हैं- आनंदीबेन गुजरात में मोदी सरकार में मंत्री रही हैं। गुजरात की सीएम भी रही हैं। मध्यप्रदेश के बाद उन्हें यूपी का राज्यपाल बनाया गया था। पीएम मोदी खुद वाराणसी के सांसद हैं। आनंदीबेन राज्यपाल होने के साथ संवैधानिक दायरे में रहते हुए पर्यवेक्षण भी कर रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहा है बाघों का कुनबा

(लेखक-हर्षवर्धन पान्डे/)

(अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस 29 जुलाई पर विशेष)

मध्यप्रदेश न केवल अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह भारत का टाइगर स्टेट भी कहा जाता है। बाघों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही मध्यप्रदेश ने अपनी प्राकृतिक संपदा और जैव-विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहाँ के घने जंगल और संरक्षित क्षेत्र बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर हैं, जो इसे देश में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करता है। मध्यप्रदेश को भी प्रकृति ने न केवल मुक्त हस्त से संवारा है बल्कि नैसर्गिक सौंदर्य और हरियाली से आच्छादितकिया है, वहीं प्रदेश सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर इसे वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से चलते आज मध्यप्रदेश देश और दुनिया में अग्रणी प्रदेश बना है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की जातियों की घटती संख्या, उनके अस्तित्व और संरक्षण संबंधी चुनौतियों के प्रति जन-जागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाए जाने का निर्णय वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले देशों ने वादा किया था कि बहुत जल्द वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने बहुत तेजी से काम किया और प्रबंधन में निरंतरता दिखाते हुए पूरे देश में बाघों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति करने में सफलता पाई है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2006 से बाघों के संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए गए। इसी के बाद प्रदेश में टाइगर की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। वर्ष 2006 में मध्यप्रदेश में कुल 300 टाइगर थे हालाँकि 2010 में टाइगर की संख्या घटकर 257 हो गई। इस साल मध्य प्रदेश से टाइगर स्टेट का दर्जा छिन गया था और कर्नाटक को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला।वहीं वर्ष 2014 में मध्यप्रदेश में 308 बाघ हो गए और वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 526 हो गई और मध्यप्रदेश ने टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल किया और इस वर्ष बाघों की संख्या 526 पहुँच गई। वर्ष 2022 की गणना के अनुसार 785 बाघ हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। बीते आठ वर्षों में मध्यप्रदेश में 477 बाघ बढ़े। इस अवधि में प्रतिवर्ष प्रदेश में बाघों की वृद्धि दर 10 फीसदी से अधिक रही है। अगर यही रफ़्तार रही तो अगली बार की बाघों की गणना में प्रदेश में बाघों की संख्या हजार से अधिक पहुंच सकती है।

मध्यप्रदेश के कुछ बाघ ऐसे हैं जो देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। मुन्ना, कॉलरवाली, सीता, चार्जर, बामेरा और टी1 यह कुछ ऐसे नाम हैं जो अपनी विशेषताओं के चलते हाल के कुछ वर्षों में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। पर्यटक दूर-दूर से इन्हें देखने आते हैं और अलग तरह का अनुभव लेते हुए खुद को बड़े रोमांचित महसूस करते हैं। बाघ की दहाड़ अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाहर भी सुनाई दे रही है। राजधानी भोपाल के शहरी इलाकों में भी बाघों की आवाजाही अब देखी जा सकती है। बाघों को राजधानी भोपाल की आबोहवा इस कदर रास आ रही है आने वाले दिनों में इनकी टेरिटरी तेजी से बढ़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 1973 में बाघों को विशेष संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व 1973 में कान्हा टाइगर बना। इनमें सबसे बड़ा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और सबसे छोटा पेंच टाइगर रिजर्व है। मध्यप्रदेश में अब 9 टाइगर रिजर्व हो गए हैं जिनमें कान्हा टाइगर रिजर्व , पेंच टाइगर रिजर्व , बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व, रातापानी टाइगर रिजर्व,वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और माधव टाइगर रिजर्व शामिल हैं। 2023 में मध्यप्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को मैनेजमेंट इफेक्टिवनेस इवैल्यूशन में देश के टॉप 5 टाइगर रिजर्व में चुना गया। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 24 अभयारण्य हैं और 11 नेशनल पार्क हैं। अभयारण्य के रूप में पचमढ़ी, पनपथा, बोरी, पेंच-मोगली, गंगऊ, संजय- दुबरी, बगदरा, सैलाना, गांधी सागर, करेरा, नौरादेही, राष्ट्रीय चम्बल, केन, नरसिहगढ़, रातापानी, सिंघोरी, सिवनी, सरदारपुर, रालामण्डल, केन घड़ियाल, सोन चिड़िया अभयारण्य घाटीगांव, सोन घड़ियाल अभयारण्य, ओरछा और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य अपनी विशिष्ट पहचान के लिए देश में जाने जाते हैं जो विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों और वनस्पतियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह सुखद है कि अब प्रदेश के भीतर बाघों की संख्या टाइगर रिजर्व की सीमाओं के बाहर भी तेजी से बढ़ रही है और बाघों की हलचल शहरी इलाकोंकी इंसानी आबादी के बीच भी महसूस की जा रही है। सतना से लेकर सीधी, शहडोल से अमरकंटक,डिंडौरी के लेकर मंडला तक में भी बाघों का कुनबा नई चहलकदमी कर रहा है। तीन बार टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में सबसे आगे है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में कुशल प्रबंधन और अनेक नवाचारी तौर तरीकों को अपनाया गया है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों और चिड़ियाघरों में भी बाघ हैं, जहां इनका संरक्षण और प्रजनन होता है। जहाँ एक तरफ हाल के वर्षों में प्रदेश सरकार ने ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया है वहीँ वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव और वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने के अनेक कार्यक्रम समय - समय पर भी चलाये हैं जिसका जमीनी असर अब दिखाई दे रहा है।

मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में इस समय सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन है। टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही प्रदेश राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में आगे है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है। खुली जगह के साथ वन्यजीवों को तनावमुक्त वातावरण और उचित आहार की भी जरूरत होती है जिस दिशा में प्रदेश में पिछले कुछ समय से बेहतरीन कार्य हुआ है जिसके चलते बाघों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जहाँ एक तरफ हाल के वर्षों में प्रदेश सरकार ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बाघ पर्यटन द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग कर ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया है वहीँ वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव और वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने का कार्यक्रम भी चलाया है। कान्हा-पेंच वन्य-जीव विचरण कारीडोर भारत का पहला ऐसा कारीडोर है, जिसमें कारीडोर का प्रबंधन स्थानीय समुदायों, सरकारी विभागों, अनुसंधान संस्थानों और नागरिक संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से कई सौ गाँवों का विस्थापन किया गया जिससे बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त हुआ है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गाँव को विस्थापित किया जा चुका है।

बाघों की सुरक्षा के प्रति भी मध्यप्रदेश सरकार संवेदनशील है। प्रदेश में वन्य क्षेत्रों के पर्यटन से लगभग 55 से 60 करोड़ का राजस्व प्राप्त

होता है, जिसका 33 प्रतिशत संयुक्त वन प्रबंधन समिति के माध्यम से ग्राम विकास में खर्च किया जाता है। वनों और वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ-साथ इन वन्य क्षेत्रों में पर्यटन की सुविधाएं भी मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रही हैं। वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सरकार डिजिटल तकनीक का प्रयोग कर रही है जिससे बाघों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बाघ संरक्षण में अत्याधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करने की पहल करते हुए प्रदेश के टाइगर रिजर्व ने 'ड्रोन स्क्वाड' का संचालन किया है जिससे प्रत्येक महीने 'ड्रोन स्क्वाड' संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है जिसके माध्यम से निगरानी रखने, वन्यजीवों की खोज और बचाव करने, जंगल की आग का पता लगाने और उससे रक्षा करने और मानव-पशुओं के संघर्ष को कम करने के लिये की गई है जिससे जैव-विविधता के दस्तावेज़ीकरण में भी मदद मिल रही है। मध्यप्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए गाँवों का वैज्ञानिक तरीके से भी विस्थापन किया गया। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे -छोटे 200 गाँवों का जिसमें सर्वाधिक 75 गाँव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किये गए। बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर को ट्रांसलोकेशन के तहत दूसरे टाइगर रिजर्व में बसाया गया जिससे बाघों के लिए भोजन भी बढ़ा। जंगल के बीच में जो खेत और गाँव खाली हुए वहां तालाब और मैदान विकसित किये गए जिससे शाकाहारी जानवरों की तादात बढ़ी और बाघों को पर्याप्त आहार भी मिलने लगा।

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों का प्रभावी प्रबंधन रहा है। बांधवगढ़, कान्हा, संजय और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है।पेंच टाइगर रिजर्व के प्रबंधन को देश में उत्कृष्ट माना गया है।

संपादकीय

तकनीक और छंटनी

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन-सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है।

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

(लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान)

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं। आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो वह भारतीय ही है, जिसे मॉ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे सवाल अनगिनत हैं जिसके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धर्ताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा।

इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2,06,378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2,16,219, 2022 में 2,25,620, साल 2021 में 1,63,370, साल 2020 में 85,256 और साल 2019 में 1,44,017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है।

इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष ऑकेजन में तफरी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जरुर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ जैसा समय वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में ये मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो वहां होती है और न ही यहां। जिन्हें परवाह होती है वे खुद दूसरों के एहसान और खुद की लाचारी के बोझ तले दबे होते हैं। ऐसे में ईश्वर ही इनका मालिक होता है। इन सब को मिला लें तो भारतीय प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय बन जाता है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक प्रति वर्ष 2.5 मिलियन (25 लाख) भारतीय विदेशों में प्रवास करते हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे ज्यादा वार्षिक प्रवासियों वाला देश भी कहलाता है। कोटक प्राइवेट द्वारा ईवाई के साथ साझेदारी में किए गए एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 22 प्रतिशत अति-धनी भारतीयों ने बेहतर जीवन स्तर, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और व्यापार में आसानी के लिए देश छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। इससे साफ है कि जो नागरिक देश छोड़ चुके हैं सो वो तो छोड़ ही चुके हैं अब आगे भी लाखों भारतीय विदेश जाने की तैयारी में बैठे हुए हैं।

सरकारी आंकड़े बतलाते हैं कि भारत में करोड़पतियों की आबादी बढ़ी है, बावजूद इसके करों के बोझ और जाँच व आर्थिक व्यवसायिक औपचारिकताओं के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत छोड़ रहे हैं। ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात भारतीयों के गंतव्य की पसंदीदा जगह बन गई है। यहां की शून्य-कर व्यवस्था और जिंदगी जीने को आसान बनाने वाले प्लान धनाढ्य भारतियों को आकर्षित करते हैं। यूएन वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी हैं। प्रवासियों के पसंदीदा देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि एनआरआई और पीआईओ कैटागिरी को मिलाकर अमेरिका में कुल भारतीय आबादी 54,09,062 है, जबकि कनाडा में 28,75,954, मलेशिया में 29,14,127, सऊदी अरब में 24,63,509, कुवैत में 9,95,528, ब्रिटेन में 18,64,318, दक्षिण अफ्रीका में 17,00,000, श्रीलंका में 16,07,500 कुल भारतीय आबादी है। इसी के साथ बताया जाता है कि यूएई, सऊदी अरब और कुवैत में बेहतर रोजगार के अवसर और निवेश के खुले रास्ते भारतीयों को आकर्षित करते हैं। जबकि श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और सिंगापुर में ऐतिहासिक प्रवासन के साथ ही व्यापारिक संबंधों के चलते भारतीय आबादी पुरानी है।

भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है। इसलिए इसे गंभीरता से लेने की बात है।

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

एसआईआर मे गृह एवं विधि मंत्रालय, के हस्तक्षेप से चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका पर सवालिया निशान

(लेखक- सनत जैन)

बिहार में चल रही मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी (एसआईआर) अब चुनाव आयोग की प्रशासनिक कवायद नहीं रह गई है। बल्कि यह प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की नींव को झकझोर देने वाला संवेदनशील मुद्दा बन गया है। रिपोर्टर्स कलेक्टिव और कई स्वतंत्र पत्रकारों की पड़ताल से जमीनी हकीकत एवं वास्तविक्ता उजागर हुई है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी है, बल्कि इसमें गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय के साथ चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सबसे पहला सवाल चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और स्वायत्तशायी संस्था है। जब चुनाव आयोग गृह मंत्रालय या विधि मंत्रालय से बिना सार्वजनिक सूचना के कानूनी सलाह लेकर ऐसा कोई बड़ा कदम उठाती है। जो चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। यह उसकी स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। रिपोर्ट के अनुसार आयोग ने बिहार में एसआईआर की शुरुआत करने से पहले विधि मंत्रालय से परामर्श लिया था। इसकी कोई फाइल मौजूद विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग के पास मौजूद नही है। सूचना अधिकार कानून में भी इसकी पुष्टि नही की गई है। चुनाव आयोग ने विधि मंत्रालय और गृह मंत्रालय की राय पर विशेष गहन परीक्षण के नियम तैयार किए गए हैं। ऐसे में यह संदेह गहरा होता है। क्या आयोग पर सरकार और उसके मंत्रालयों का कोई दबाव था? यह सही है तो चुनाव आयोग ने यह जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं विधि मंत्रालय का यह कहना कि उनके पास कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इसे एक गंभीर प्रशासनिक चूक या जानबूझकर की गई गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकारी प्रक्रिया का हर दस्तावेज रिकॉर्ड में होना चाहिए, यह नियम है। जब करोड़ों नागरिकों के मतदाता अधिकारों पर असर डालने वाला निर्णय लिया जा रहा था। तब इस स्तर की गोपनीयता ना केवल अलोकतांत्रिक है। बल्कि संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ होकर कई संदेहों को जन्म दे रही है। इस मामले में गृह मंत्रालय की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। विभिन्न जिलों के कलेक्टरों और पुलिस को एसआईआर के नाम पर जिन लोगों की नागरिकता प्रमाणित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। वह अप्रत्यक्ष रूप से असम में की गई एनआरसी जैसी प्रक्रिया की पुनरावृत्ति के समान है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उल्लिखित नागरिकों के सार्वभौमिक मौलिक एवं मताधिकार के सिद्धांत पर गहरा आघात माना जा रहा है। तीनों संस्थाओं जिसमे गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग की संयुक्त राय से यदि मतदाता सूची में परिवर्तन या छेड़छाड़ हो रही है। तो यह लोकतंत्र तथा संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। बिहार में मतदाता सूची में हो रहे सघन परीक्षण के बाद इस सारे देश में लागू करने की बात की जा रही है ऐसी स्थिति में निष्पक्ष न्यायिक जांच बहुत जरूरी हो जाती है। एडीआर एक ऐसी संस्था है, जो पिछले दो दशक से चुनाव सुधार को लेकर काम कर रही है। बिहार में मतदाता सूची के सघन परीक्षण के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों से कोई चर्चा नहीं की गई है। जब चुनाव आयोग नियमों में बड़े परिवर्तन कर रहा था। पिछले 7 दशक में चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर चर्चा करके नियमों में संशोधन या चुनाव सुधार के लिए रायशमारी करता था। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से संवाद बंद कर दिया है। चुनाव आयोग अपने स्तर पर ही नियमों में परिवर्तन करता चला आ रहा है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और उसके निर्णयों की जितनी आलोचना पिछले 2-3 वर्षों से हो रही है। इसके पहले कभी नहीं हुई। चिंता की बात यह है, चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली से अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं का भरोसा खत्म होने लगा है। यह स्थिति कहीं से भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की कमेटी बनाने का फैसला दिया था। सरकार ने जब कानून बनाया, उसमें चीफ जस्टिस के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त कैबिनेट मंत्री को उस कमेटी का सदस्य बना दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान जितनी भी शिकायतें विपक्षी दलों द्वारा की गई, उन पर चुनाव आयोग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आदर्श आचार संहिता का लगातार उल्लंघन सत्तारूड पार्टी द्वारा किया जा रहा था।

उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा के चुनाव परिणाम में जितनी आलोचना चुनाव आयोग की हुई है। पहले कभी नहीं हुई थी। पहले लोकसभा और विधानसभा वार मतदान की जानकारी मतदान के दूसरे दिन 12 बजे तक अपडेट हो जाती थी। पिछले कुछ चुनावों में इसे प्रतिशत के हिसाब से राज्यवार बताया जाने लगा। मतदान के परसेंटेज में बार-बार परिवर्तन होता रहा। जिसके कारण राजनीतिक दलों और मतदाताओं को जो विश्वास चुनाव आयोग प्रति था, वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी चुनाव आयोग से संबंधित जो मामले गए, उनमें कई मामलों में अभी तक ना तो सुनवाई हुई, जिन मामलों में सुनवाई हुई, उनमें भी कोई ठोस निर्णय नहीं हुए। जिसके कारण राजनीतिक दलों में अविश्वास बढ़ गया है। बिहार के लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए दस्तावेज के जो नियम बनाये हैं, वह अव्यावहारिक हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1 साल में गोल्ड लोन 2 गुना हुआ

मुंबई । देश में गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और उसकी राशि लगभग डबल हो चुकी है। मई 2024 तक देश के कुल गोल्ड लोन का आंकड़ा 1.16 लाख करोड रुपए का था। जो मई 2025 में बढ़कर 2.51 लाख करोड़ हो चुका है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में दिए गए एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक का कहना है, जब महंगाई बढ़ती है। तब गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और राशि बढ़ जाती है। लोगों को अपने जरूरी खर्च के लिए गोल्ड गिरवी रखना पड़ता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के अनुसार पिछले तीन सालों में विदेश जाकर पढ़ाई करने वालों का कर्ज़ 25.2 फ़ीसदी कम हो गया है। विदेश जाकर पढ़ने वाले छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। इसका असर एजुकेशन लोन में देखने को मिल रहा है।

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो से 68,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने 30 जुलाई से 4 अगस्त तक मुंबई में आयोजित होने वाले इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) के माध्यम से 68,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने का लक्ष्य तय किया है। परिषद के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जिसमें 2,100 कंपनियां और 3,600 स्टॉल शामिल होंगे। शो में भारत के 1,300 शहरों और दुनिया के 80 देशों से 50,000 से अधिक आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है। जीजेईपीसी खाड़ी देशों में 40,000 करोड़ के नए बाजार अवसरों को भुनाने की भी तैयारी कर रहा है।

पिरामल फार्मा को पहली तिमाही में 82 करोड़ का घाटा

- परिचालन आय में भी मामूली गिरावट

नई दिल्ली । पिरामल फार्मा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 82 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है। यह घाटा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 89 करोड़ रुपये के मुकाबले थोड़ा कम है। कंपनी की परिचालन आय भी घटकर 1,934 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,951 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का कहना है कि तिमाही के दौरान कर पूर्व आय में सुधार देखा गया है और कुछ क्षेत्रों में मध्यम राजस्व वृद्धि भी दर्ज की गई है। पिरामल फार्मा की चेयरपर्सन नंदिनी पिरामल ने बताया कि कंपनी परिचालन दक्षता को मजबूत करने और लागत नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी तिमाहियों में प्रदर्शन में और सुधार होगा। ताजा आंकड़े कंपनी के घाटे में आंशिक कमी और परिचालन स्तर पर स्थिरता की ओर संकेत करते हैं।

डीपीआईआईटी ने एथर एनर्जी के साथ किया ईवी स्टार्टअप के लिए एमओयू

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर प्रदान करना है। यह एमओयू डीप-टेक स्टार्टअप को रणनीतिक मार्गदर्शन और ईवी मूल्य श्रृंखला में बुनियादी ढांचा समर्थन उपलब्ध कराएगा। डीपीआईआईटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस साझेदारी से ऐसे वातावरण का निर्माण होगा जहाँ स्टार्टअप्स इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण, बैटरी नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। यह पहल भारत में ईवी उद्योग को मजबूत करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

ब्रिटेन को भारत का चमड़ा और जूता निर्यात तीन साल में होगा 1 अरब डॉलर: पीयूष गोयल

- देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा

नई दिल्ली ।

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारत के चमड़ा और जूता उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी कि 2024 में 49.4 करोड़ डॉलर रहा यह निर्यात तीन वर्षों में दोगुना होकर 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में निर्यातकों के साथ बैठक में बताया कि यह समझौता सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, तकनीकी मानकों को संरेखित करता है और भारतीय भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों जैसे कोल्हापुरी चप्पल और मोजरी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इससे भारतीय उत्पादों को यूके के 8.7 अरब डॉलर के चमड़ा और फुटवियर बाजार में बेहतर दृश्यता मिलेगी। इस समझौते के तहत यूके ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले 2 से 11.9 फीसदी तक के आयात शुल्क समाप्त कर दिए हैं, जिससे भारत को बांग्लादेश, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले समान अवसर मिलेंगे। इससे देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा। खासकर एमएसएमई, कारीगरों, महिला उद्यमियों और युवा-नेतृत्व वाले व्यवसायों में हजारों नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। सरकार ने 1,700 करोड़ के भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम और केंद्रित उत्पाद योजना जैसी पहलें भी शुरू की हैं, जो टेक्नोलॉजी अपग्रेड, मेगा क्लस्टर और ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगी। यह समझौता न केवल चमड़ा और जूता क्षेत्र, बल्कि तिरुपुर, जयपुर, सूरत, लुधियाना जैसे प्रमुख कपड़ा क्लस्टरों को भी नया जीवन देगा।

नुवोको विस्टास ने बढ़ाई सीमेंट उत्पादन क्षमता

- निवेशकों को मिल सकता है 10 फीसदी तक रिटर्न

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनियों में से एक नुवोको विस्टास कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनवीसीएल) ने अपने कारोबार का तेजी से विस्तार करना शुरू कर दिया है। कंपनी अब भारत की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता बन चुकी है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 25 मिलियन टन है। कंपनी ने इसे 2027 तक 31 मिलियन टन तक ले जाने का लक्ष्य रखा है, जिससे पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत में उसकी पकड़ और मजबूत होगी। एनवीसीएल केवल सीमेंट ही नहीं बनाती, बल्कि रेडी-मिक्स कंक्रीट और अन्य बिल्डिंग मटेरियल्स भी बनाती है, जिससे उसका व्यवसाय ज्यादा विविध और मजबूत बनता है। यह कंपनी निम्मा ग्रुप का हिस्सा है, जिसे देश में एक भरोसेमंद औद्योगिक समूह माना जाता है। कंपनी की बड़ी उपलब्धियों में हाल ही में हुआ वडराज सीमेंट का अधिग्रहण भी शामिल है। अप्रैल 2025 में एनसीएलटी से मंजूरी मिलने के बाद इस डील के तहत एनवीसलएल की क्लिंकर बनाने की क्षमता में 3.5 मिलियन टन और सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता में 6 मिलियन टन का इजाफा हुआ है। इससे एनवीसीएल की कुल पीसने की क्षमता अब 31 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो गई है।

ई-कॉमर्स और 3पीएल कंपनियों से वेयरहाउसिंग सेक्टर में जोरदार उछाल

गोदामों की मांग 63 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.7 करोड़ वर्ग फुट पहुंची

नई दिल्ली । भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2025 की पहली छमाही में औद्योगिक स्थानों और गोदामों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। रियल एस्टेट सेवा प्रदाता सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में लीजिंग (पट्टे पर लेना) 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ई-कॉमर्स और थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों की मजबूत मांग रही। जनवरी-जून 2025 के दौरान लीज पर दी गई कुल जगह में से 32 प्रतिशत हिस्सेदारी 3पीएल कंपनियों की रही, जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। सीबीआरई के एक अे धिकारी ने कहा कि 3पीएल और ई-कॉमर्स कंपनियों का प्रभुत्व यह दर्शाता है कि तेजी से बदलती उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अनुकूलन इस सेक्टर को नई दिशा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में 1.67 करोड़ वर्ग फुट नई आपूर्ति दर्ज की गई, जिसमें बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का कुल 57 प्रतिशत योगदान रहा। सीबीआरई को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में भी इसी तरह की मजबूत मांग बनी रहेगी। आने वाले समय में प्रीमियम, टिकाऊ और तकनीक-समर्थित वेयरहाउसिंग सुविधाओं की मांग और अधिक बढ़ने की संभावना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 447 और निफ्टी 140 अंक अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.93 अंकों की तेजी के साथ ही 81,337.95 अंकों पर बंद हुआ। वहं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 140.20 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,821.10 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि 10 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़कर बंद हुए। वहीं14 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एलएंडटी के शेयर सबसे ज्यादा 2.15 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि टीसीएस के शेयरों में सबसे अधिक 0.72 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों की बात करें तो आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2.07 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.03 फीसदी, टाटा स्टील 1.69 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.42 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.42 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.28 फीसदी, भारती एयरटेल 1.05 फीसदी, सनफार्मा 0.93 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.75 फीसदी नीचे आये।

वहीं एक्सिस बैंक के शेयर 0.64 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.58 फीसदी, आईटीसी 0.43 फीसदी, टाइटन 0.41 फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.08 फीसदी के नुकसान के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 38 अंक की गिरावट के साथ 80,842 और निफ्टी 2 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 24,678 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का आईटी शेयरों की ओर से किया जा रहा था, जिसके कारण निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में था। वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी जा रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट के लिए अभी अनुकूल परिस्थितियों की तुलना में प्रतिकूल परिस्थितियां ज्यादा हैं। बाजारों पर सबसे बड़ा दबाव यह है कि भारत और अमेरिका के बीच अपेक्षित व्यापार समझौता अभी तक नहीं हुआ है और 1 अगस्त की समयसीमा से पहले समझौते की संभावना कम होती जा रही है।

सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल से मंजूर किए 98,995 एमएसएमई लोन

- नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले

नई दिल्ली।

सरकार ने संसद को बताया कि इस वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल के तहत 98,995 एमएसएमई लोन आवेदनों को मंजूरी दी है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया कि इस नए मॉडल के कारण लोन निर्णय लेने में अधिकतम एक दिन का समय लगता है, जो पारंपरिक मैनुअल प्रक्रिया की तुलना में काफी तेज है। नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले हैं। आवेदनकर्ता कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और शाखा का दौरा कम हो गया है। डिजिटल प्रणाली के जरिए लोन प्रस्तावों को बिना रुकावट प्रोसेस किया जाता है और त्वरित सैद्धांतिक स्वीकृति मिलती है। साथ ही, निर्णय डेटा एवं लेनदेन व्यवहार और क्रेडिट इतिहास के आधार पर लिया जाता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना घटती है और निर्णय अधिक पारदर्शी होता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मॉडल सिस्टम-जनरेटेड क्रेडिट लॉजिक और स्कोरकार्ड का उपयोग करता है, जो लोन पात्रता का तेज, सटीक और लक्षित मूल्यांकन सुनिश्चित करता है। इसके तहत बैंकों को बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय अपनी आंतरिक क्षमता विकसित करने की प्रेरणा मिली है। यह नया डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल केंद्रीय बजट 2024-25 में पेश किया गया था। हालांकि, इस मॉडल से बैंकों के एमएसएमई लोन के बुनियादी पात्रता मानदंडों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। सरकार का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को आसान, तेज और भरोसेमंद वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। यह कदम एमएसएमई क्षेत्र की वृद्धि और विकास में सहायक होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

दुर्लभ खनिजों पर चीन की पकड़ से वैश्विक आपूर्ति संकट

नई दिल्ली । चीन द्वारा दुर्लभ खनिज तत्वों और उनसे बने स्थायी मैग्नेट के निर्यात पर नियंत्रण ने वैश्विक तकनीकी और वाहन उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। चीन वर्तमान में वैश्विक दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति का लगभग 70 फीसदी और दुर्लभ खनिज मैग्नेट का 90 फीसदी उत्पादन करता है। अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के बीच चीन ने इन खनिजों को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), स्मार्टफोन, चिकित्सा उपकरण, पवन टर्बाइन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योगों पर असर पड़ा। अगर अमेरिका-चीन व्यापार युद्धविराम आगे नहीं बढ़ता है, तो आने वाले महीनों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में और अधिक बाधाएं आ सकती हैं। इन हालातों को देखते हुए भारत ने दुर्लभ खनिज मैग्नेट के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खनिज आपूर्तिकर्ताओं की तलाश शुरू कर दी है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में ऐसे संसाधनों की पहचान की जा रही है। हालांकि केवल संसाधनों की खोज काफी नहीं है। खनन, प्रसंस्करण और धातु निर्माण की पूरी प्रक्रिया तकनीकी और पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद जटिल है। चीन ने दशकों की रणनीति, सरकारी निवेश, तकनीकी शोध, कम श्रम लागत और नरम पर्यावरण मानकों के चलते यह दबदबा हासिल किया है।

अमेरिका ने भारत पर व्यापार समझौते में तुरंत शुल्क हटाने का दबाव बढ़ाया

- 1 अगस्त से पहले व्यापार समझौते की डील पर संकट

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से पहले एक नई चुनौती सामने आ गई है। अमेरिका चाहता है कि भारत समझौते के लागू होते ही अधिकांश उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दे। जबकि भारत इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के पक्ष में है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की मांग है कि अधिकांश वस्तुओं पर शून्य शुल्क तुरंत लागू हो, जबकि कुछ संवेदनशील उत्पादों पर यह 1-2 वर्षों में हटाया जा सकता है। परंपरागत रूप से भारत 'टैरिफ स्टेजिंग' के तहत शुल्क कम करने की नीति अपनाता आया है, जिसमें समयबद्ध तरीके से शुल्क घटाया जाता है। ब्रिटेन के साथ हाल में हुए मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने 10 वर्षों में 90 फीसदी वस्तुओं पर शुल्क हटाने का समझौता किया, जिसमें से 64 फीसदी वस्तुएं समझौते के लागू होते ही शुल्क मुक्त हो गईं। यह मॉडल भारत को घरेलू उद्योगों की रक्षा का अवसर देता है। इस बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत की नीति घरेलू बाजार को संरक्षित करने पर केंद्रित रही है, लेकिन अमेरिका चाहता है कि बाजार अधिक खुले। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस मुद्दे पर अभी और वार्ता की आवश्यकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यदि समझौता होता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को अमेरिकी मांगों के आगे नहीं झुकना चाहिए और संतुलित समझौता करना चाहिए। समझौते को लेकर अंतिम समयसीमा 1 अगस्त तय की गई है, और ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमति बना पाते हैं या नहीं।

टीसीएस में कर्मचारियों की छंटनी से कंपनी में तनाव का माहौल

- कंपनी पर टाटा के मूल्यों से हटने का आरोप

नई दिल्ली ।

भारत की अग्रणी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने कुल कर्मचारियों के लगभग 2 प्रतिशत यानी 12,000 से अधिक लोगों की छंटनी कर दी है। यह खबर अधिकतर कर्मचारियों को किसी आधिकारिक सूचना के बजाय अखबारों के माध्यम से मिली, जिससे कंपनी के अंदर अचानक तनाव और अनिश्चितता का माहौल बन गया।

एक मध्य-स्तरीय कर्मचारी ने बताया कि छंटनी की जानकारी कंपनी के आंतरिक पोर्टल पर रविवार को अपडेट की गई थी, लेकिन अधिकांश लोगों ने उसे समय पर नहीं देखा। यह पहली बार है जब टीसीएस ने इतने बड़े स्तर पर औपचारिक रूप से छंटनी की है। इससे पहले 2012 में कंपनी ने लगभग 2,500 कर्मचारियों को निकाला था। टीसीएस को अब तक एक स्थिर और सुरक्षित नियोक्ता के रूप में देखा जाता रहा है, जिसने 2008 के वित्तीय संकट और कोविड-19 जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी कर्मचारियों की छंटनी नहीं की थी।

कई कर्मचारियों का मानना है कि कंपनी अब टाटा समूह की पारंपरिक मान्यताओं और मूल्यों से हट रही है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि हाल ही में कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अपस्किलिंग पर जोर दिया था, लेकिन अब छंटनी का यह कदम उन प्रयासों के विपरीत प्रतीत हो रहा है। इस घटनाक्रम ने पूरे आईटी सेक्टर में चिंता बढ़ा दी है कि अन्य कंपनियां भी इसी राह पर चल सकती हैं।

सोने के भाव 97,650 रुपए, चांदी लगभग 1,13,250 रुपए

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में मंगलवार को तेजी देखी जा रही है। मंगलवार के कारोबारी` दिन दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,650 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 82 रुपये की तेजी के साथ 97,627 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,545 रुपये था। फिलहाल यह 98 रुपये की तेजी के साथ 97,643 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 215 रुपये की तेजी के साथ 1,13,268 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,053 रुपये था। इस समय यह 198 रुपये की तेजी के साथ 1,13,251 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,313.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,310 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.30 डॉलर की तेजी के साथ 3,312.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.33 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.22 डॉलर था।

इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 38.27 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तेलंगाना में ऐपल एयरपॉड संयंत्र बंद होने के बाद फिर शुरू

- चीन पर निर्भरता घटाने की कोशिश

नई दिल्ली ।

तेलंगाना के कोंगरा कलां में स्थित ऐपल इंक के एयरपॉड असेंबली संयंत्र ने जुलाई की शुरुआत में उत्पादन दोबारा शुरू कर दिया है। इस संयंत्र का संचालन फॉक्सकॉन की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन इंटरकनेक्ट टेक्नॉलाजी कर रही है। जून के अंत में जापान से दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति में आई रुकावट के चलते संयंत्र को दो सप्ताह के लिए बंद करना पड़ा था। यह खनिज वायरलेस ईयरबड यानी एयरपॉड्स में प्रमुख भूमिका निभाता है। ऐपल चीन पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से जापान से मैग्नेट की आपूर्ति करवा रही थी, लेकिन आपूर्ति संकट ने उत्पादन पर असर डाला। कंपनी अब उज्बेकिस्तान सहित अन्य स्रोतों से मैग्नेट मंगवाने पर विचार कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की रुकावटों से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार, यह संयंत्र फिलहाल केवल अमेरिका और यूरोप जैसे बाजारों के लिए निर्यात पर केंद्रित है। ऐपल ने सरकार को बताया है कि चीन की तुलना में भारत में उत्पादन लागत अधिक है, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। इस संयंत्र में अब तक करीब 5,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। फॉक्सकॉन ने इसमें 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है और

संयंत्र की पूर्ण क्षमता पर यह 15,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगा। अप्रैल 2025 से यहां एयरपॉड्स की असेंबली शुरू हुई थी। ऐपल और फॉक्सकॉन ने इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड-भारत टेस्ट के दौरान पाकिस्तानी फैन की टी-शर्ट को लेकर खड़ा हुआ विवाद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। लंकाशायर ने कहा है कि वे उस घटना की जांच कर रहे हैं जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड और भारत के बीच चौथे टेस्ट मैच में एक प्रशंसक को अपनी पहनी हुई पाकिस्तानी शर्ट को ढकने के लिए कहा गया था। पाकिस्तानी मीडिया में फारुख नजर नाम से मशहूर इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उससे मैदान पर मौजूद सुरक्षा स्टाफ के एक सदस्य ने अनुरोध किया है कि वह अपनी टी-शर्ट को ढक दे, जो पाकिस्तान की पारंपरिक हरे रंग की सीमित ओवरों की टी-शर्ट है।

खुद को लंकाशायर का कर्मचारी बताने वाला सुरक्षा गार्ड कहता है, 'नियंत्रण कक्ष ने मुझसे पूछा है कि क्या आप कृपया उस टी-शर्ट को ढक सकते हैं। बाद में एक प्रबंधक को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि टी-शर्ट %राष्ट्रवादी मानी जा सकती है%। वीडियो में नजर को बार-बार टी-शर्ट ढकने के अनुरोधों के कारण लगातार परेशान होते देखा जा सकता है। आखिरकार, एक पुलिस अधिकारी उसके पास आता है और उसे स्टैंड से दूर बातचीत जारी रखने के लिए कहता है। खबरों के मुताबिक नजर ने अपनी टी-शर्ट छिपाने के बजाय मैदान से बाहर जाने का फैसला किया।

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्षों से ठंडे पड़े राजनीतिक संबंध इस साल मई में दोनों देशों के बीच हुई एक संक्षिप्त सैन्य झड़प के बाद सबसे तनावपूर्ण रहे हैं। ये तनाव बीसीसीआई और पीसीबी के बीच संबंधों में भी उभरे हैं। दोनों पक्षों ने 2012-13 से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है और 2007-08 से कोई टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। दोनों देशों द्वारा आयोजित आईसीसी आयोजनों में उनकी भागीदारी भी हाल ही में समस्याग्रस्त हो गई है, क्योंकि इस समस्या के एक मिश्रित समाधान के रूप में उनके मैचों के आयोजन के लिए एक तटस्थ स्थान को जोड़ा गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रॉ पर समाप्त हुए टेस्ट मैच के किस दिन यह घटना थी, लेकिन लंकाशायर ने पुष्टि की है कि वे इसकी जांच कर रहे हैं। लंकाशायर के प्रवक्ता ने कहा, 'हम संबंधित घटना से अवगत हैं और मामले से जुड़े तथ्यों और संदर्भ को पूरी तरह समझने के लिए कदम उठा रहे हैं।% हाल के वर्षों में लंकाशायर ने भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करने की खुलकर बात की है। इस मैदान पर स्थित द हंड्रेड टीम, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का 70त स्वामित्व संजीव

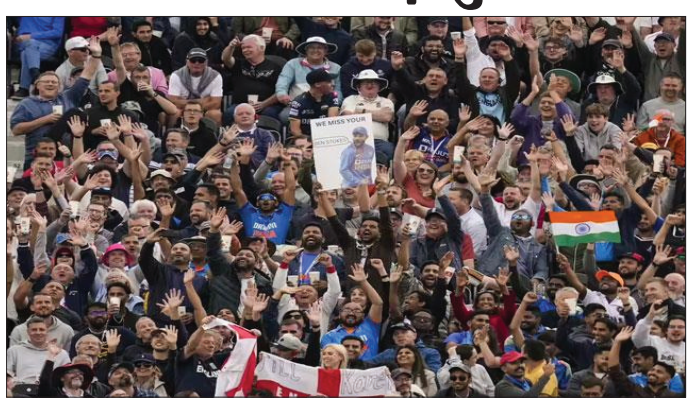

गोयनका के आरपीएसजी समूह के पास जाने वाला है जो आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स का संचालन करता है। लंकाशायर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डैनियल गिडनी ने 100 गेंदों वाले इस टूर्नामेंट में बीसीसीआई को हिस्सेदारी देने का सुझाव दिया है।

दिव्या देशमुख की ऐतिहासिक जीत पर देशभर से बधाइयों की बौछार, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और आनंद समेत कई दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत की युवा इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने इतिहास रचते हुए खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे देश में उत्साह की लहर है। भारत की राजनीति, खेल और समाज के शीर्ष नेतृत्व ने दिव्या और उपविजेता कोनेरू हम्पी को बधाइयाँ दी हैं और भारतीय महिला शतरंज की इस उपलब्धि को 'स्वर्णिम युग' की शुरुआत बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, ÷एक ऐतिहासिक फाइनल जिसमें दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ी आमने-सामने थीं! 19 वर्ष की दिव्या देशमुख पर गर्व है जिन्होंने महिला विश्व शतरंज चैंपियन 2025 बनकर असाधारण उपलब्धि हासिल की। यह जीत कई युवाओं को प्रेरित करेगी। हम्पी ने भी पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाया। दोनों को शुभकामनाएं।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिव्या को पहली भारतीय महिला विश्व कप विजेता बनने पर बधाई दी और हम्पी की स्थायी उत्कृष्टता की सराहना करते हुए कहा, 'दोनों भारतीय खिलाड़ियों का फाइनल में पहुँचना इस बात का प्रतीक है कि देश में विशेष रूप से महिलाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।'

नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस मौके को ÷एक गर्वित राष्ट्र का पल÷ बताया और लिखा, ÷दो भारतीय महिलाएं, एक विश्व मंच। दिव्या ने 19 साल की उम्र में जो हासिल किया, वह असाधारण है। हम्पी ने भी इस फाइनल को ऐतिहासिक बना दिया।'

भारत के पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या को जीत, ग्रैंडमास्टर बनने और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान पक्का करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, 'यह मानसिक मजबूती की अद्भुत परीक्षा थी। हम्पी ने एक बार फिर दिखाया कि वह कितनी बड़ी चैंपियन हैं। यह भारतीय शतरंज, खासकर महिला शतरंज का शानदार उत्सव था।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर को बड़ा झटका, टीम का प्रमुख सदस्य हुआ अलग

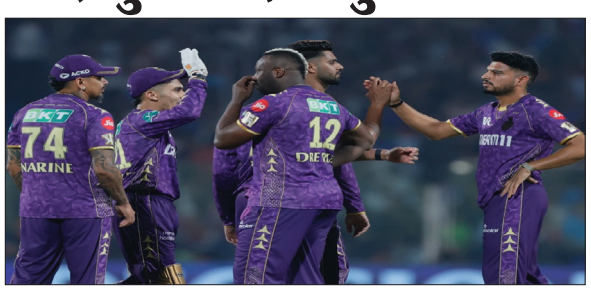

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के अगले सीजन को शुरू होने में अभी काफी समय बाकी है। इससे पहले आईपीएल 2024 की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स को एक बड़ा झटका लग गया है। दरअसल, हेड कोच चंद्रकांत पंडित ने फ्रेंचाइजी से अलग होने का फैसला कर लिया है। उन्हें अगस्त 2022 में टीम का हेड कोच नियुक्त किया था। पंडित ने ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली थी। 2026 में अब वो इस टीम के लिए कोच की भूमिका नहीं निभाएंगे।

बता दें कि, आईपीएल 2025 में टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम प्लेऑफ में भी जगह बनाने में सफल नहीं हो पाई थी। केकेआर ने 14 में से सिर्फ 5 मुकाबले जीते थे और अंक तालिका में आठवें पायदान पर रही थी। फैंस टीम के इस तरह के लचर प्रदर्शन से काफी नाखुश थे।

केकेआर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरि चंद्रकांत के टीम से अलग होने की वजह से बताई है। फ्रेंचाइजी के मुताबिक, चंद्रकांत ने नए अवसर तलाशने के लिए ये निर्णय लिया है। फ्रेंचाइजी ने अपने हेड कोच को विदा देते हुए लिखा। केकेआर ने लिखा कि चंद्रकांत पंडित अब केकेआर के हेड कोच के रूप में बरकरार नहीं रहेंगे। उन्होंने नए अवसर तलाशने का निर्णय लिया है। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। खासकर 2024 में टीम को आईपीएल खिताब दिलाने और एक मजबूत, जुझारू टीम बनाने में मदद करने के लिए। उनकी नेतृत्व क्षमता और अनुशासन ने टीम पर गहरा असर छोड़ा है। हम उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

'पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास' : पार्थिव पटेल ने चौथे मैच में भारत की वापसी पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि मैच की शुरुआत में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद भारत ने चौथे टेस्ट में सराहनीय प्रदर्शन किया। टीम के समग्र प्रदर्शन पर विचार करते हुए पार्थिव ने कहा कि इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान एक खास दौर को छोड़कर, वह ज़्यादा कुछ बदलना नहीं चाहेंगे।

उन्होंने कहा, 'भारत ने इस टेस्ट मैच में जिस तरह से खेला, उसे देखते हुए मैं ज़्यादा कुछ नहीं बदलना चाहूंगा लेकिन अगर आप पूछें कि क्या बेहतर किया जा सकता था, तो मैं कहूंगा कि दूसरे दिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी का दौर।% उन्होंने कहा कि उस दौरान भारत की गेंदबाजी में तेजी और सटीकता की कमी थी। उन्होंने कहा, 'उस दौरान भारत की गेंदबाजी में

निरंतरता की कमी थी और विकेट के दोनों ओर थोड़ी भटकाव था। यहीं पर कुछ सुधार संभव था।'

पार्थिव ने इंग्लैंड के पहली पारी के 669 रनों के पहाड़ के बाद कठिन परिस्थितियों में भारतीय टीम के जज्बे और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'बाकी, यह भारत के लिए एक बहुत अच्छा टेस्ट मैच रहा है, खासकर टॉस के बाद की स्थिति को देखते हुए। लगभग सब कुछ भारत के खिलाफ जाता दिख रहा था - जब भारत बल्लेबाजी करने गया, तो बादल छाए हुए थे; जब इंग्लैंड बल्लेबाजी के लिए उतरा, तो सूरज चमक रहा था, जिसने भारत के काम को और भी कठिन बना दिया।'

बाधाओं के बावजूद पार्थिव ने भारतीय टीम के जोशपूर्ण वापसी की प्रशंसा की, जो उनके अनुसार श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'फिर भी जिस तरह से भारत ने वापसी की, उससे पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास है।'

आखिरी दिन रवींद्र जडेजा ने नाबाद 107 रन और वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 101 रनों की पारी खेलकर अपना पहला शतक पूरा किया। दोनों की 203 रनों की अटूट साझेदारी ने भारत को मैच बचाने और अंतिम टेस्ट से पहले श्रृंखला को जीवंत रखने में मदद की। चार टेस्ट मैचों की समाप्ति के बाद भारत 1-2 से पीछे चल रहा है और पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी मुकाबले के लिए दोनों टीमें लंदन लौट रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, 5-0 से टी20 सीरीज जीती

सेंट किट्स । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पांचवें टी20 मैच में तीन विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत हासिल की है। इस अंतिम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने 19.4 ओवरों में 170 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। कप्तान शाई होप दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ब्रैंडन किंग 11, कीसी कार्टी 1 और शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन बनाकर टीम को संभाला। हेटमायर ने तीन छक्के और तीन चौके लगाकर 31 गेंदों में 52 रन बनाये। वहीं जेसन होल्डर ने 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन जबकि नाथन एलिस ने दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही मैच जीत लिया। कंगारुओं की शुरुआत भी खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 63 रन बनाकर टीम को संभाला। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन बनाये जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाये। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन बनाये। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन को तीन जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर को दो-दो विकेट मिले।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त तक होने वाले इन मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशिया कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। एशिया कप इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लेकर कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले होने से टीम ओ अपनी तैयारियों का आंकलन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम को अपनी कमजोरियों के साथ ही अपनी क्षमताओं का भी पता चलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करीबी हार को सामना करना पड़ा था।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन । भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में अब छठे पायदान पर हैं, पर वह अंतिम टेस्ट के बाद पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं।

अश्विन का पांचवे टेस्ट से पहले कप्तान गिल को सूझाव, कृपया यह फैसला लेकर अब सुधार करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शुभमन गिल की बतौर बल्लेबाज तारीफ की लेकिन वह चाहते है कि वह रणनीतिक रूप से मजबूत कप्तान बने। इसलिए अश्विन ने गिल को टीम में कुछ बदलाव करने के लिए सूझाव दिया।

अश्विन के अनुसार गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाने का फैसला किया है लेकिन उनके पास विकेट लेने के पर्याप्त विकल्प नही है। कुलदीप यादव ने अभी तक इस दौरे पर कोई मैच नहीं खेला। पांचवे टेस्ट से पहले वह चाहते है कि भारत ये बदलाव करे क्योंकि उनका लक्ष्य सीरीज 2-2 से बराबर करना है।

अश्विन ने कहा, 'अब सुधार कीजिए और कृपया फैसला लीजिए। इस फैसले के बाद भी आप हार सकते हैं, लेकिन फैसला लीजिए, क्योंकि टेस्ट मैच

बल्लेबाजी की गहराई से नहीं जीते जाते, बल्कि बल्लेबाजी की गहराई से ड्रॉ होते हैं। टेस्ट मैच उन गेंदबाजों की मदद से जीते जाते हैं जिनमें विकेट लेने की क्षमता होती है।'

उन्होने यह भी बताया कि कैसे दौरे से पहले गिल की आलोचना की गई थी और उनकी तकनीक पर सवाल उठाए गए थे। अश्विन ने 25 वर्षीय गिल को अपनी बल्लेबाजी पर पूरी तरह नियंत्रण रखने के लिए सराहना की।

अश्विन ने आगे कहा, 'शुभमन गिल का क्या ही शानदार शतक। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्होंने अपनी तकनीक पर काम किया है। कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जिस तरह से उन्होंने वाशिंगटन सुंदर को देर से बुलाया वह एक बड़ी रणनीतिक गलती थी, लेकिन ऐसा होता है। वह एक युवा कप्तान हैं और गलतिया करके ही सीखेंगे, और मुझे उम्मीद है कि वह तेज़ी से सीखें।'

'गिल ने सभी चीजों को एक तरफ रखते हुए एक बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरकर प्रमुख पारिया खेली। उन्होंने बर्मिंघम में रन बनाए, जब भारत 0-1 से पीछे था तब उन्होंने बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने हेडिंग्ले में भी रन बनाए। हम लॉर्ड्स में हार गए थे और कई लोगों ने उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाए। जब सब कुछ नीचे था, तब वह क्रीज़ पर आए, पूरे नियंत्रण में रहे और शानदार बल्लेबाजी की। हा, उन्हें कुछ जीवनदान मिले, लेकिन मुझे लगता है कि वह शानदार थे।'

ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

इंग्लैंड । बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है। वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है। इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं। ड्रेसिंग रूम में अभिमन्यु ने समय तो बहुत बिता लिया है, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का सपना अब तक साकार नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर के सामने ही यशस्वी जायस्वाल रजत पाटीदार, ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज बल्लेबाजों ने डेब्यू किया है।

हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है।

इंग्लैंड में जिस तरह की क्रिकेट खेली, वह गर्व की बात : गौतम गंभीर

लंदन (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिए सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था।

गंभीर ने कहा, 'इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते।' उन्होंने कहा, 'पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिए काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।'

लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर बृहस्पतिवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा, 'दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें।'

इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छशक्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। सारे मैच पांच दिन तक चले और रोमांचक रहे। हमारी टीम ने जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह नए भारत के जीवट का प्रतीक है। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है।'

समारोह के आखिर में कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा, 'श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।'

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में भी शायद ही अवसर मिले

मैनचेस्टर । चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे में अब तक जगह नहीं मिली है ओर जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी तक स्पिन ऑलराउंडरों रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने किया है। उसको देखते हुए कुलदीप को अंतिम मैच में भी शायद ही जगह मिले। कुलदीप को टीम में तभी जगह मिल सकती है। जब टीम तीन स्पिनरों के साथ खेले और ऐसी संभावना कम ही है। अब तक इस सीरीज में कुलदीप को बाहर रखे जाने के कारण टीम संतुलन बताया गया। कोच ओर कप्तान ने माना है कि कुलदीप काफी अच्छे कलाई के स्पिनर हैं परन्तु तेज पिचों को देखते हुए उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। सुंदर को उनपर वरीयता इसलिए दी जा रही है क्योंकि सुंदर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाकर रविन्द्र जडेजा के साथ लंबी साझेदारी की थी। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज कुछ खास नहीं कर पाये। वहीं ऑलराउडर शार्दुल ठाकुर को केवल 11 ओवर ही गेंदबाजी दी गयी। इसके बाद भी कुलदीप की टीम में जगह नहीं बन पाना हैरानी की बात है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रिकार्ड देखा जाये तो कलाई के स्पिनरों के सामने वे सहज नहीं रहते उसके बाद भी कुलदीप को अब तक इस सीरीज में बहार रखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं !

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है।

वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे 29 अगस्त से फिर अनशन को तैयार

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार पर मराठा समुदाय से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, जरांगे ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तब वे 29 अगस्त से मुंबई में फिर से भूख हड़ताल शुरू कर दूंगा। जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सारथी गाँव में बताया कि मराठों की चार प्रमुख माँगें, जिनके लागू होने का महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने आश्वासन दिया था, वे पूरी नहीं हुई हैं। दरअसल जरांगे लगातार यह माँग करते रहे हैं कि सभी मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषि प्रधान जाति है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की भी माँग की है। वह ऐतिहासिक अभिलेखों, जैसे बॉम्बे, सतारा और हैदराबाद के राजपत्रों को लागू करने की माँग पर जोर देते रहे हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये मराठा समुदाय को कुनबी के रूप में वर्गीकृत करते हैं।

ईसाई धर्म अपना लो खूब पैसा मिलेगा, पैसे देकर धर्म परिवर्तन करा रहा अमेरिकी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे के पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक अमेरिकी नागरिक और उसके सहयोगी को कथित तौर पर स्थानीय निवासी को पैसा का लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इस घटना में एक नाबालिग भी शामिल था, नाबलिग को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। आरोपियों की पहचान कैलिफोर्निया निवासी शेफर जैविन जैकब (41) और पिंपरी चिंचवाड़ महानगर पालिका क्षेत्र निवासी स्टीवन विजय कदम (46) के रूप में हुई है। जैकब वर्तमान में पुणे में मुकाई चौक के पास रह रहा था। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता सनी बंसीलाल दानानी ने दावा किया कि जैकब और कदम ने 27 जुलाई को उसके घर आकर उसका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की। पुलिस ने बताया, ''उन्होंने (आरोपियों ने) दावा किया कि ईसाई धर्म अपनाने से दानानी को शांति, समृद्धि मिलेगी और मानसिक रूप से भी स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। उन्होंने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से कहा कि ईसा मसीह ही एकमात्र ईश्वर हैं जबकि अन्य देवता और धर्म काल्पनिक हैं। इतना ही नहीं दोनों ने शिकायतकर्ता को धर्म परिवर्तन करने पर वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। पुलिस ने दानानी की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

डेढ़ करोड़ के ड्रग्स मामले में दो आरोपियों को 15 साल की सजा और 2-2 लाख रुपए का जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। यहां की विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने छह साल पुराने में डेढ़ करोड़ रुपए के ड्रग्स मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 15 साल की सजा सुनाई है7 साथ ही रु. 2-2 लाख का जुर्माना भी लगाया7 सहायक लोक अभियोजक दिलीपसिंह ठाकोर ने मामले में मजबूत दलीलें दीं और विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने आरोपियों को दोषी करार दिया। इसके अलावा अदालत ने आयकर विभाग को आरोपियों से प्राप्त नकदी के बारे में जानकारी देने का आदेश दिया है। पूरा मामला 26 सितंबर 2019 का जब क्राइम ब्रांच मजहर हुसैन तेजाबवाला और इम्तियाज शेख से 1.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स सहित 2.01 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया था। जांच के दौरान यह पाया गया कि ये दोनों आरोपी मुंबई के डोंगरी इलाके के कुख्यात ड्रग डीलर असफाक बावा से ड्रग्स लेते थे। इसी मामले में क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने मज़हर हुसैन तेजाबवाला और इम्तियाज़ शेख को गिरफ्तार किया था। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ विशेष एनडीपीएस कोर्ट में मामला चल रहा था और कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए 2-2 लाख रुपये का जुर्माना और 15 साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आयकर विभाग को आरोपियों से मिली नकदी की जानकारी देने का आदेश दिया है। इस सुनवाई के दौरान सहायक लोक अभियोजक दिलीप सिंह ठाकोर ने मजबूत दलीलें दीं।

श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने गए 5 मछुआरों को पकड़ा, नाव भी की जब्त

चेन्नई (एजेंसी)। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार तड़के कच्छतीवू द्वीप से पांच तमिल मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार कर श्रीलंकाई जल सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। स्थानीय मछुआरा संघ के मुताबिक ये मछुआरे सोमवार रात एक नाव से कच्छतीवू के पास मछली पकड़ रहे थे। तभी श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती दल ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। नौसेना ने उनकी नाव को भी जब्त कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि गिरफ्तार किए गए मछुआरों को श्रीलंका के कंकेसनथुरई या तलाईमन्नार ले जाया गया, जहां उन्हें स्थानीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना हाल के दिनों में ऐसी कई घटनाओं में से एक है, जिसमें तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई जल सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में पकड़ा है। जुलाई में भी रामेश्वरम के सात मछुआरों को इसी तरह गिरफ्तार किया गया था। और उनकी नाव भी जब्त कर ली थी। इससे पहले फरवरी में श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और पांच नाव भी जब्त की थीं।

पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

पुंछ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले करीब दो दर्जन बच्चों को गोद लेने का फैसला किया है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में इन बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी पुंछ जिले के 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे। ये वे बच्चे हैं जिन्होंने या तो अपने दोनों माता-पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है।

करा ने बताया, पहली किस्त की सहायता राशि बुधवार को जारी की जाएगी ताकि इन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। यह सहायता तब तक जारी रहेगी जब तक बच्चे स्नातक नहीं कर लेते।

राहुल गांधी ने मई में पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं से इन

प्रभावित बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। इसके बाद एक सर्वे कराया गया और सरकारी रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद अंतिम सूची बनाई गई।

पुंछ शहर पाकिस्तान की ओर से हुई भारी गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित रहा। धार्मिक स्कूल जिया उल उलूम पर हुए हमले में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए थे। इस हमले में वीहान भार्गव नाम के बच्चे की मौत उस वक्त हो गई जब उसका परिवार शहर छोड़ने की कोशिश कर रहा था और उसे शेलिंग के दौरान छर्रे लगे। राहुल गांधी ने पुंछ स्थित क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया, जहां पढ़ने वाले 12 वर्षीय जुड़वां बच्चे- उरबा फातिमा और जैन अली भी हमले का शिकार हुए थे। बच्चों से बात करते हुए राहुल ने कहा, ÷मैं तुम पर बहुत गर्व महसूस करता हूं। तुम्हें अपने छोटे दोस्तों की बहुत याद आती होगी, मुझे इसका दुख है। अब तुम्हें थोड़ा डर भी लगता होगा, लेकिन घबराओ मत, सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। तुम्हारा जवाब इस घटना को लेकर यह होना चाहिए कि तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो, दिल खोलकर खेलो और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाओ।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से 7 मई 2025 को शुरू किया गया एक सैन्य अभियान था, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के ठिकाने नष्ट किए गए। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने 8 से 10 मई तक जम्मू क्षेत्र, खासकर पुंछ में भारी गोलाबारी, ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में 27 लोगों की मौत हुई और 70 से अधिक लोग घायल हुए। पुंछ जिला इस दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां 16 लोगों की जान गई।

औवेसी ने भारत-पाक मैच पर सवाल उठाते हुए कहा- जब रास्ते और व्यापार तक बंद, फिर क्रिकेट मैच क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भारत और पाकिस्तान के बीच प्रस्तावित क्रिकेट मुकाबले पर सख्त एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के महज पांच महीने बाद भारत को पाकिस्तान के साथ मैदान साझा करना स्वीकार नहीं है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही चर्चा के दौरान सांसद ओवैसी ने केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा, कि जब पाकिस्तान के जहाज हमारे आसमान में नहीं आ सकते, उनकी कश्ती हमारे पानी में नहीं आ सकती, व्यापार बंद है, तो क्रिकेट मैच क्यों? उन्होंने जोर देकर कहा कि हम कहते हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो क्या क्रिकेट और खून एक साथ बह सकते हैं? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकियों के सफाए का मतलब यह नहीं कि भारत को पाकिस्तान के साथ सामान्य कूटनीतिक या सांस्कृतिक संबंध तुरंत बहाल कर लेने चाहिए। ओवैसी भावुक हो कहते दिखे, कि मेरा जमीर मुझे उस मैच को देखने की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा क्या आपके पास इतनी नैतिक ताकत है कि आप पहलगाम हमले में मारे गए 25 पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक के परिवारों को जाकर कहें कि अब हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं? उन्होंने कहा कि यह शहीदों की शहादत का अपमान होगा।

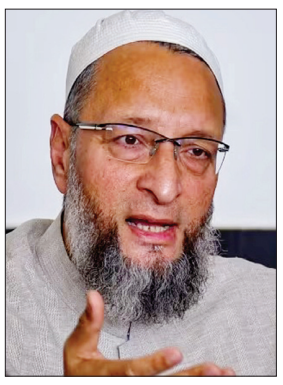

चिराग पासवान का यू-टर्न, नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा एनडीए.. फिर बनेगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और एनडीए सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले है। केंद्रीय मंत्री पासवान ये यू-टर्न लिया है क्योंकि वे लगातार बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश की आलोचना कर रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख की टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया था कि उसने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन का सहयोगी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि अगर सरकार में किसी मुद्दे के बारे में कोई जानकारी है, तब हमें उस पर चर्चा करनी होगी और सुधार करना होगा... हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले ...बिहार में एनडीए एकजुट है।

उन्होंने कहा कि एक ईमानदार सहयोगी होने के नाते, क्या मुझे सिर्फ

उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन पर मैं चुनाव लड़ रहा हूँ? फिर मैं कैसा सहयोगी हूँ? क्या मुझे 243 सीटों पर प्रचार नहीं करना चाहिए? अगर वे (विपक्ष) मेरी बात पूरी तरह सुन लें, तब उनके इरादे शांत हो जाएँगे। बिहार के हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा कि एनडीए चुनावों के लिए एक विजयी गठबंधन है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

उन्होंने कहा कि मैंने कई बार कहा हैं कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएँगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले है।

हिंदू का मतलब दूसरे धर्म या समुदाय का विरोध या उन पर हमला करना नहीं

-संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कट्टर हिंदू विवाद पर बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने केरल में एक कार्यक्रम में कट्टर हिंदू की परिभाषा को लेकर उठ रहे विवादों पर कहा कि कट्टर हिंदू का मतलब किसी अन्य धर्म या समुदाय का विरोध करना या उनपर हमला करना नहीं है। यह गलत धारणा है। सच्चा हिंदू वह है जो सभी को साथ लेकर चलता है और सभी धर्मों का सम्मान करता है। भागवत ने कहा कि हिंदुत्व का मूल स्वभाव समावेशी है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा सभी को अपनी आस्था के मुताबिक पूजा करने की आजादी देती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हिंदुत्व को गलत तरीके से पेश करते हैं, जिससे समाज में तनाव पैदा होता है। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति को समझें और इसे दूसरों के खिलाफ इस्तेमाल करने के बजाय एकता का प्रतीक बनाएं। भागवत ने गाय संरक्षण के नाम पर हिंसा करने वालों को गलत बताया। उनका मानना है कि ऐसा करने वाला सच्चा हिंदू नहीं है। उन्होंने भारत की 140 करोड़ आबादी को एकजुट करने की बात कही और कहा कि हिंदुत्व का लक्ष्य किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी के साथ मिलकर देश को मजबूत करना है। भागवत के इस बयान को आरएसएस की समावेशी छवि को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। यह बयान देश में चल रहे धार्मिक और सामाजिक तनावों के बीच एक अहम संदेश है। उन्होंने कहा कि अपने स्वत्व पर देश खड़ा हो गया, तो क्या चमत्कार होता है, ये हमने पिछले 11 साल में देखा है। हमको आने वाले 10 साल में ये देखना है कि हम विदेशी प्रभाव से सम्पूर्ण मुक्त कैसे होते हैं। नीति कैसी हो ये हम बोल नहीं रहे, हम बोल रहे है कि छोटी छोटी बातें क्या हो, वो हम कर रहे हैं। उसके आधार पर प्रतिमान खड़े कर रहे है और नीति में क्या है क्या नहीं, इसका विचार ना करते हुए उसके परिणाम देखकर सामान्य लोग इसको स्वीकार कर रहे हैं।

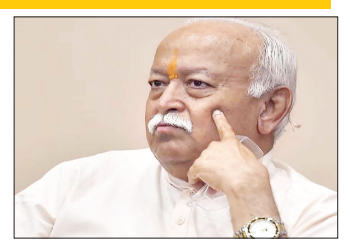

एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का ड्रग पार्टी मामला, मेडिकल रिपोर्ट में हुई पुष्टि

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर पुणे में एक कथित ड्रग पार्टी में शामिल पाए गए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पार्टी से नशीले पदार्थ, हुक्का और शराब जब्त की। मेडिकल रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हुई है कि खेवलकर और एक अन्य व्यक्ति ने शराब का सेवन किया था। खडसे के दामाद खेवलकर खुद को एक उद्यमी, समाजसेवी, डॉक्टर और निर्माता बताते हैं। उनकी प्रोफ़ाइल के अनुसार, उन्होंने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस समर प्रोडक्शंस के तहत अपना पहला संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर लांच किया है। वे चीनी उद्योग, बिजली उद्योग और इवेंट मैनेजमेंट में भी सक्रिय रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे पुलिस की अपराध शाखा ने छापेमारी की और स्टूडियो अपार्टमेंट में एक ''ड्रग पार्टी'' का भंडाफोड़ किया था। आरोपियों की हिरासत का अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि छापेमारी में कोकीन और गांजा जैसे मादक पदार्थ जब्त किए गए थे।

महबूबा के पाकिस्तानी प्रेम पर, उमर का कटाक्ष... पाकिस्तान से प्रेम रखने वाले खत्म हो रहे

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की सियासत में फिर पाकिस्तान से बातचीत का मुद्दा गर्मा गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान से संवाद की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग सम्मान के साथ शांति चाहते हैं और भारत को युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए।

महबूबा ने कहा, 'अगर भारत को तरक्की करनी है,तब जंग की बात बंद कर पाकिस्तान से चर्चा करनी होगी।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करके कश्मीर मुद्दे को हल करें। पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि जब पाकिस्तान से संवाद की बात होती है, तब कश्मीरियों को देश की विदेश नीति में हस्तक्षेप न करने की नसीहत दी जाती है, जबकि कश्मीर ही वह इलाका है जो दशकों से संघर्ष झेलता रहा है।

महबूबा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार हथियारों की दौड़ में लगी है, जबकि देश को

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे असली मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट पर भी उन्होंने कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और भारत का हिस्सा लेना स्वागत योग्य है।

लेकिन महबूबा के इन बयानों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और सीएम उमर अब्दुल्ला ने बिना नाम लिए कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि ÷जो लोग पाकिस्तान से बातचीत का समर्थन करते हैं, वहीं अब कमजोर हो रहे हैं।÷ उनका स्पष्ट इशारा इस ओर था कि लगातार संवाद की मांग करके भारत की सख्त नीति कमजोर पड़ती है। उमर का मानना है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक कोई भी संवाद निरर्थक है। राजनैतिक जानकार मानते हैं कि यह सियासी बयानबाजी दोनों दलों की रणनीति का हिस्सा है। एक ओर महबूबा संवाद की राजनीति के ज़रिए अपने पारंपरिक जनाधार को साधना चाहती हैं, वहीं उमर अब्दुल्ला भारत समर्थक रुख लेकर राष्ट्रीय धारा में अपनी पार्टी की साख बनाए रखना चाहते हैं।

सांसद पप्पू यादव बोले- पहलगाम हमले के चार आतंकी नहीं पकड़ सके मतलब देश सुरक्षित हाथों में नहीं

-सुरक्षा नीति पर उठाए गंभीर सवाल

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्णिया,(ईएमएस)। संसद का मानसून सत्र चल रहा है और इस दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा जारी है। चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया भाषण पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने तीखा हमला बोला और सवाल करते हुए कहा, कि वे चार लोग आज कहां हैं, यदि वे 1 माह में भी पकड़े नहीं गए तो इसका मतलब है कि देश सुरक्षित हाथों में नहीं है।

सांसद पप्पू यादव ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल किया कि पाकिस्तान को चीन और अमेरिका से कितनी सैन्य ताकत मिल रही, इसे स्पष्ट किया जाए। इसी के साथ उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जहां सरकार को घेरा वहीं उन्होंने सुरक्षा नीतियों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, कि वो

चार व्यक्ति आज कहां हैं? यदि पिछले एक माह में हम उन्हें नहीं पकड़ सके हैं तो इसका मतलब देश किसी सुरक्षित हाथों में नहीं है। इसी के साथ उन्होंने सेना की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा, भारत के 100 सैनिकों के सामने भी पाकिस्तान टिक नहीं सकेगा, लेकिन असली मुद्दा चीन द्वारा पाकिस्तान को नई तकनीक और समर्थन देना है, लेकिन सरकार इस पर बात नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, कि सत्यता कहीं दिखाई नहीं दी। सच बोलने की हिम्मत होनी चाहिए। पप्पू यादव ने पीएम मोदी की विदेश नीति और देश की सुरक्षा के मुद्दों पर भी असफलता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कि देश के सवाल पर सरकार और विदेश नीति के सवाल पर पीएम मोदी सफल नहीं रहे हैं।

370 के अतिरिक्त कोई मुद्दा नहीं

सांसद पप्पू यादव ने धारा 370 को लेकर केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि इस सरकार के पास धारा 370 के अलावा लंबे समय से कोई और मुद्दा ही नहीं रहा है, और सच यह है कि धारा 370 हटाए जाने के बाद से ही कश्मीर में हमले बढ़े हैं।

पहले टैरिफ अब नौकरियों के नाम पर टेंशन दे रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, भारतीयों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले टैरिफ के नाम पर दुनिया को टैंशन में डाला अब नौकरियों के नाम पर डराने का काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कई पॉलिसी में बदलाव किया है। अमेरिका में वीजा प्रतिबंधों और लोकल प्रोफेशनल्स की हायरिंग पर जोर ने भारतीय युवाओं के लिए विदेशी नौकरियों के अवसरों को सीमित कर दिया है। इससे गूगल में नौकरी मिलना मुश्किल हो सकता है। हालांकि चुनौतियों के बीच भारत में नए अवसर भी बन रहे हैं। ग्लोबल कंपनियां अब भारत में ही अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स खोल रही हैं, जिससे देश के अंदर ही युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान एच-1बी जैसे वीजा प्रोग्राम्स को लेकर सख्ती बढ़ गई है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को विदेशी टैलेंट हायर करने में दिक्कतें आने लगी हैं। इससे भारतीय इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स पर सीधा असर पड़ा है। टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो जैसी टॉप लेवल की आईटी कंपनियां बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को अमेरिका भेजती थीं। डोनाल्ड ट्रंप की नई नीतियों और लगातार आते स्टेटमेंट के चक्कर में उन्हें भी नई रणनीति बनानी पड़ी। बता दें कि ग्लोबल टेक्नोलॉजी लैंडस्केप में भारत दुनिया के सबसे बड़े आईटी टैलेंट हब के रूप में उभर कर सामने आया है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से हर साल हजारों होनहार इंजीनियर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स निकलते हैं। ये सभी दुनिया की टॉप कंपनियों में नौकरी का सपना देखते हैं। ज्यादातर लोगों का लक्ष्य एपल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी ग्लोबल कंपनियों में प्लेसमेंट की तैयारी करते हैं। लेकिन हाल ही में अमेरिका में बढ़ती प्रोटेक्शनिज्म नीतियों ने भारतीय आईटी क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आईटी सेक्टर में यह बदलाव भारत को ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस बनाने की दिशा में मजबूत कदम है। अब जरूरी है कि स्टूडेंट्स सिर्फ विदेश में नौकरी पर निर्भर न रहकर देश में मौजूद खास अवसरों का भी भरपूर फायदा उठाएं। विदेश में हायरिंग में मुश्किलें बढ़ने के बाद कंपनियां अब भारत में ही अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स खोलने पर फोकस कर रही हैं। माइक्रोसोफ्ट, गूगल अमेजोन जैसी दिग्गज कंपनियां भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के जरिए आर एंड डी, एआई, क्लाउड जैसे अल्ट्रा-मॉडर्न सेक्टर्स में काम कर रही हैं। इससे भारत के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स के लिए देश में ही हाई-पेइंग नौकरियों के मौके बढ़ गए हैं। उन्हें खास प्रोजेक्ट के लिए विदेश भेजा जा सकता है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों के प्लेसमेंट पर भी अमेरिकी पॉलिसी का असर देखने को मिल रहा है। जहां पहले बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को विदेशी कंपनियों में अच्छी सैलरी वाली नौकरी का ऑफर मिलता था, वहीं अब कंपनियां भारत में ही अच्छे पैकेज ऑफर कर रही हैं। इसका पॉजिटिव पहलू यह है कि अब टैलेंट ब्रेन ड्रेन के बजाय देश में ही काम कर रहा है, जिससे इकोनॉमी को भी मजबूती मिल रही है। भारतीय युवाओं को अपनी स्किल्स लगातार अपडेट करनी होंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सोमवार तड़के आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह 2:06 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र इस्लामाबाद के पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था। पाकिस्तान, भूकंप के लिए दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में शामिल है, जहां कई बड़े भूकंपीय फॉल्ट स्थित हैं। इसके चलते, पाकिस्तान में अक्सर भूकंप आते हैं और विनाशकारी होते हैं। पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों, दोनों को ओवरलैप करता है।

वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर आतंकवाद और हमले के आरोप दर्ज करने की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर अधिकारी आतंकवाद और हत्या की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगाने की मांग कर रहे हैं। यह घटना शनिवार को ट्रैवर्स सिटी के एक वॉलमार्ट में हुई थी। इस घटना में 11 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों का मानना है कि हमलावर ने लोगों को बिना किसी वजह के अंधाधुंध निशाना बनाया। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हमला शाम करीब 4:45 बजे हुआ, जब 42 साल का एक आदमी स्टोर में आया और एक फोल्डिंग चाकू से लोगों पर हमला करने लगा।

चीन के लड़ाकू विमान फिर ताइवान की सीमा में घुसे

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि चीन के लड़ाकू विमानों ने एक बार फिर उसकी संप्रभुत्ता का उल्लंघन किया और पीएलए के 4 लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा में घुस आए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान के जलीय सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सरकार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 6 बजे चीन की सेना के चार विमान ताइवान की सीमा में देखे गए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान ने कहा कि वे हालात पर नजर बनाए हुए हैं और हालात के मुताबिक जवाब दिया जाएगा।

सूडान में आरएसएफ ने बनाई वैकल्पिक सरकार, तेज हुआ गृहयुद्ध

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने वैकल्पिक सरकार के गठन का एलान किया है। इसके साथ ही गठबंधन ने देश की राजधानी खार्तूम में स्थित सैन्य अधिकारियों को सीधी चुनौती दे दी है। देश में तीन वर्षों से जारी गृहयुद्ध तेज हो गया है। अल जजीरा कि रिपोर्ट के अनुसार, खुद को सूडान संस्थापक गठबंधन (टीएएसआईएस) की नेतृत्व परिषद कहने वाले इस गठबंधन ने एलान किया है कि आरएसएफ कमांडर मोहम्मद हमदान हेमेदती दागालो 15 सदस्यीय राष्ट्रपति परिषद की अध्यक्षता करेंगे। इसमें क्षेत्रीय गवर्नर भी शामिल होंगे। टीएएसआईएस ने सूडानी राजनेता मोहम्मद हसन को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। पिछले काफी समय से सूडान आंतरिक संघर्ष से जूझ रहा है। इसके चलते लोगों को बेहद समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जंगल के बीच पटरी से उतरी ट्रेन, तीन की मौत और 50 से ज्यादा घायल, भूस्खलन की आशंका

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में रविवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। सिगमारिंगन से उल्म जा रही एक पैसेंजर ट्रेन जंगल के बीच से गुजरते समय पटरी से उतर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों यात्री घायल हो गए। ट्रेन में करीब 100 लोग सवार थे। जर्मनी देश के समय अनुसार हादसा शाम करीब 6:10 बजे रिडलिंगन शहर के पास हुआ। जर्मन रेल ऑपरेटर डॉयचे बान ने पुष्टि की कि ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के कारणों की फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। ऑपरेटर का कहना है कि घटनास्थल पर जांच चल रही है और आसपास के 40 किलोमीटर इलाके में ट्रैफिक रोक दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जर्मनी के कई हिस्सों में भारी बारिश और तूफान के चलते लैंडस्लाइड की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, दक्षिणी जर्मनी में इन दिनों मौसम बेहद खराब बना हुआ है। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय टीवी चैनल एसडब्ल्यूआर के अनुसार, कई घायलों को हेलिकॉप्टर के जरिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। कई घायल लोगों को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि वे परिवहन और गृह मंत्रालय के संपर्क में हैं और बचाव कार्य के लिए हर संभव मदद दी जा रही है। साथ ही, इस हादसे ने एक बार फिर जर्मनी के रेलवे सिस्टम की खस्ता हालत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब जर्मनी में इस तरह का हादसा हुआ है। जून 2022 में भी एक ट्रेन बवेरियन एल्प्स के पास पटरी से उतर गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान में फ्लैश फ्लड का कहर टीवी एंकर समेत 15 लोग लापता,

स्थानीय लोग सरकार की व्यवस्थाओं से नाराज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को हाईवे पर अचानक पानी भर गया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के सदस्यों समेत 15 लोगों के बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है।

बाढ़ से प्रभावित डायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे हाल के दिनों की सबसे घातक बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए और उनका सारा सामान बह गया। मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लैश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं। पर्यटकों में एक निजी चैनल की टीवी एंकर, उनके पति और उनके चार बच्चे भी शामिल हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने बताया कि एक पश्तो भाषा के टीवी चैनल की एंकर के परिवार ने अधिकारियों से संपर्क कर बताया है कि वह, उनके पति और उनके चार बच्चे

लापता हैं।

फारक ने बताया कि उन्हें एंकर का एक बटुआ मिला है। वहीं, चिलास के मीनार इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे।

उन्होंने कहा, खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है, और उनमें से 13 स्थानों पर आंशिक रूप से मार्ग साफ कर दिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सोमवार तक राजमार्ग आंशिक रूप से यातायात के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।

गिलगित क्षेत्र में, दान्योर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्योर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासी लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे। वहीं आम लोग सरकार की अनदेखी से भी खासा नाराज हैं। गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति बहाल करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि हालांकि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे फिर से नष्ट कर दिया। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है और सरकार को कार्रवाई के लिए एक दिन का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा वे विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इस बीच, घांचे जिले के कोंडस और हल्दी के निवासियों ने भी राहत सामग्री, बिजली, पेयजल और सड़क मार्ग की कमी की शिकायत की।

कोंडस में हुए विनाशकारी भूस्खलन में 50 से ज्यादा घर बह गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल, और आपातकालीन सेवाओं की तत्काल आवश्यकता है। स्थानीय लोगों ने इंटरनेट की अनुपलब्धता पर भी दुख जताया, जिससे बातचीत करना या मदद के लिए फ़ोन करना और भी मुश्किल हो गया। जुटल और गिलगित-बाल्टिस्तान के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की और सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और समय पर राहत पहुंचाने में विफलता की आलोचना की।

हमास नेता सिनवार की विधवा फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भागी, तुर्किये में की दोबारा शादी

गाजा पट्टी, एजेंसी। हमास के पूर्व नेता याह्या सिनवार की विधवा समर मुहम्मद अबू जमर फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भाग निकली। अब उसने तुर्किये में दोबारा शादी कर ली है। इस्राइली समाचार एजेंसी ड्ढठ्ठद्गह्ल की रिपोर्ट में जमर के भागने और दोबारा शादी करने का दावा किया गया है।

जमर ने 2011 में सिनवार से शादी की थी। जमर ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। रिपोर्ट के अनुसार, समर ने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और अपने बच्चों के साथ चोरी-छिपे गाजा से बाहर निकल गई। उन्होंने एक और गाजा निवासी महिला के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और राफा बॉर्डर के रास्ते मिस्र गई।

गाजा के एक व्यक्ति ने ड्ढठ्ठद्गह्ल को बताया कि समर अब गाजा में नहीं हैं, वे अब तुर्किये में हैं। उसने कहा कि गाजा से इस तरह भागना बहुत मुश्किल है और इसके लिए पैसों, मदद और ऊंचे स्तर पर संपर्क की जरूरत होती है- जो आम लोगों के पास नहीं होती।रिपोर्ट में कहा गया है कि समर ने पिछले साल अक्तूबर में याह्या सिनवार की मौत के बाद तुर्किये में दोबारा शादी की। यह शादी हमास के एक सीनियर नेता फती हम्माद ने करवाई। हम्माद पहले भी हमास नेताओं और उनके परिवारों को संघर्ष वाले इलाकों से बाहर निकालने की कोशिशों से जुड़ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने गाजा में युद्ध के शुरुआती समय में अपने वरिष्ठ नेताओं के परिवारों को बाहर निकालने के लिए एक योजना बनाई थी, जिसमें फर्जी दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। सिनवार के भाई मोहम्मद की पत्नी नजवा, जो कुछ समय के लिए हमास का नेतृत्व भी कर रही थीं, वह भी इसी नेटवर्क की मदद से गाजा से बाहर निकल गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, तब से उन्हें किसी ने नहीं देखा।इस्राइल की सेना ने याह्या सिनवार को 16 अक्तूबर 2024 को गाजा के राफा इलाके में एक टूटी-फूटी इमारत में ढूंढ निकाला और मार गिराया। वीडियो फुटेज में वह धूल में सने हुए एक कुर्सी पर बैठे दिख रहा था और ड्रोन पर एक डंडी फेंकते नजर आया। बाद में सिर में गोली लगने और मलबे की चोटों से उसकी मौत हो गई।

चीन के दबाव में सांस्कृतिक मंच हुआ राजनीति का शिकार, बदला गया ताइवान का झंडा और नाम

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित इंटरनेशनल कोयर प्रतियोगिता एक बड़े राजनीतिक विवाद में घिर गई है। ताइवान ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में चीन द्वारा राजनीतिक दबाव डालने पर कड़ा विरोध जताया है। ताइवान का आरोप है कि चीन के हस्तक्षेप के बाद आयोजकों को उनके देश का झंडा हटाना पड़ा और नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई कर दिया गया। इस घटना से न केवल कलाकारों की भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि सांस्कृतिक मंच पर राजनीतिक दखल की आलोचना भी तेज हो गई है।

प्रतियोगिता में ताइवान के छह कोयर ग्रुप शामिल थे, जिनमें स्कूली बच्चों से लेकर वयस्क कलाकार शामिल थे। आयोजकों पर चीन के अधिकारियों ने दबाव डाला कि ताइवान का नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई किया जाए और राष्ट्रीय ध्वज हटाया जाए। ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय को शनिवार शाम इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद एक विधायक को इस मुद्दे पर आयोजकों से बातचीत के लिए भेजा गया।जापान के सांसद केइजी फुरुया ने ताइवान की तरफ से आयोजकों से बात की और उसका पक्ष रखा। लेकिन आयोजकों ने अंततः चीन के दबाव में आकर सभी झंडे हटा दिए और नाम बदल दिए।

दक्षिण कोरिया सरकार ने बातचीत का भेजा प्रस्ताव, किम जोंग उन की बहन बोली- कोई दिलचस्पी नहीं

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नई सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया व अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।

उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को

पहले जैसा नहीं रख पाएगा तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया की ओर से जारी बयान में किम यो जोंग ने कहा, 'हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है। न ही उनसे मिलने का कोई कारण है और न ही चर्चा करने के लिए कोई मुद्दा है।'

ली जे-म्युंग सरकार की क्या नीति

यह दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार की नीति के बारे में उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक बयान है। ली जे-म्युंग जून की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बने थे। उत्तर कोरिया के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को सुधारने के लिए राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इस बीच, खबर है कि उत्तर कोरिया ने चोई ह्योन-श्रेणी के अपने तीसरे जंगी पोत के निर्माण का काम शुरू कर दिया है जिसे अगले साल अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पोत देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के उस संकल्प के तहत है जिसमें उन्होंने देश की लंबे समय से उपेक्षित नौसेना को ताकतवर बनाने के लिए हर साल बड़े पोत बनाने का निश्चय किया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि देश के पश्चिमी तट पर स्थित नाम्फो शिपयार्ड में निर्माण कार्य की शुरुआत के लिए समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

भारत की मदद के लिए मोहम्मद यूनुस ने कहा धन्यवाद, डॉक्टर्स से बोले- आपका दिल बहुत बड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारतीय डॉक्टर्स समेत 21 विदेशी फिजिशियन और नर्सों की टीम की जमकर तारीफ की। रविवार को मोहम्मद यूनुस ने स्टेट गेस्ट हाउस में विदेशी डॉक्टर्स की मेडिकल टीम से मुलाकात की और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

बीती 21 जुलाई को बांग्लादेशी वायु सेना का एक लड़ाकू विमान ढाका में एक स्कूल और कॉलेज कैंपस के बीच क्रैश हो गया था। इस विमान हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी और 170 से ज्यादा घायल थे। इनमें अधिकतर छात्र थे। हादसे के बाद अंतरराष्ट्रीय मेडिकल टीम ने ढाका पहुंचकर हादसे में घायल लोगों के इलाज में मदद की। इस विदेशी डॉक्टर्स की टीम में चीन, सिंगापुर और भारत के डॉक्टर्स और नर्सें शामिल रहीं। डॉक्टर्स से मुलाकात में मोहम्मद यूनुस ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि ये टीम न सिर्फ अपनी स्किल के साथ बांग्लादेश आई बल्कि अपने बड़े दिल के साथ भी आई। इनकी मौजूदगी से न

सिर्फ साझा मानवता की पुष्टि हुई है बल्कि इस संकट के समय में वैश्विक साझेदारी का मूल्य भी पता चला है।

इस मेडिकल टीम में दस सदस्य सिंगापुर के, आठ चीन के और चार भारत से गए विशेषज्ञ शामिल रहे। हादसे में जलने से घायल हुए लोगों की मदद में इस टीम ने काफी मदद की। मोहम्मद यूनुस के स्वास्थ्य मामलों के सलाहकार प्रोफेसर सैयदुर रहमान ने कहा कि विशेषज्ञों की इस टीम की मदद से कई जिंदगियां बचाने में मदद मिली। बांग्लादेश की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम ने भी विदेशी डॉक्टर्स की इस टीम से मुलाकात की और उनके काम और उनकी मदद की जमकर तारीफ की। मोहम्मद यूनुस ने डॉक्टर्स की इस टीम से अपील की कि वे बांग्लादेश के साथ संपर्क बनाए रखें और बांग्लादेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर बनाने में मदद करें। इस दौरान चीन और सिंगापुर के राजदूत भी मौजूद रहे।

प्लेन क्रैश में 31 लोग मारे गए

राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया।

सीरिया में संसदीय चुनावों की तारीख की घोषणा, 15-20 सितंबर के बीच होंगे

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में संसदीय चुनावों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद पहली बार चुनाव होंगे। चुनाव प्रक्रिया के आयोजन के लिए नियुक्त निकाय के प्रमुख ने रविवार को चुनाव के संबंध में जानकारी दी।

जनसभा चुनावों की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने सरकारी समाचार एजेंसी सना को बताया कि चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। ये चुनाव सीरिया के लिए इसलिए खास हैं, क्योंकि दिसंबर में विद्रोहियों के तेज हमले के बाद पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद का पतन हो गया था, जिसके बाद देश की नई सरकार के तहत ये पहले चुनाव होंगे।

210 में से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति करेंगे नियुक्ति : सीरिया की संसद में कुल 210 सीटें हैं। इनमें से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा खुद लोगों को नियुक्त करेंगे, जबकि बाकी सीटों पर चुनाव होंगे। एक साक्षात्कार में, चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया कि निर्वाचित सीटों के लिए मतदान करने हेतु सीरिया के प्रत्येक प्रांत में एक निर्वाचक मंडल स्थापित किया जाएगा।

मार्च में अल-शरा द्वारा हस्ताक्षरित एक अस्थायी संविधान में एक जन समिति के गठन का आह्वान किया गया था, जो एक स्थायी संविधान के पारित होने और आम चुनाव होने तक अंतरिम संसद के रूप में कार्य करेगी। इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं।

सांप्रदायिक हिंसा के बीच हुई चुनाव की घोषणा : चुनाव की ये घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी प्रांत स्वेदा में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद दमिश्क में धार्मिक और जातीय झगड़े तेज हो गए हैं। इस लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए और सीरिया के युद्धोत्तर नाजुक संक्रमण के खतरे में पड़ गए। दो हफ्ते पहले सशस्त्र बेडौइन कबीलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यकों के लड़ाकों के बीच हुए अपहरणों के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं।

भूख से बिलखते बच्चे, इजरायल की पसीजा दिल, गाजा में 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत कर दी है। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजरायल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है। इजरायली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक हर दिन सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी।

सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी। पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाया है जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजरायल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजरायल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इजरायल ने स्पष्ट किया है कि वह अन्य इलाकों में हमास के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बुर्श ने कहा, 'यह युद्धविराम तब तक निरर्थक रहेगा, जब तक यह जीवन बचाने का एक वास्तविक अवसर न बन जाए।' स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक ने कुपोषित बच्चों के इलाज में मदद के लिए चिकित्सा आपूर्ति और अन्य सामान पहुंचाने का आह्वान किया। बुर्श ने कहा कि इसमें देरी का मतलब और लोगों की मौत होगा। इजरायल का कहना है कि अगर हमास आत्मसमर्पण कर दे, हथियार डाल दे और क्षेत्र को छोड़ दे, तो वह युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है। हालांकि, समूह ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नानीवेड की शिक्षिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में किशोर को वयस्क मानकर ट्रायल चलाने की मांग खारिज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नानीवेड की ट्यूशन शिक्षिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में शामिल कानून से संघर्षरत किशोर के खिलाफ जघन्य अपराध के आरोपों के आधार पर उसे वयस्क मानकर मुकदमा चलाने की सिंघणपुर-डभोली पुलिस स्टेशन के पीआई और मूल शिकायतकर्ता द्वारा की गई मांग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने खारिज कर दिया है।

सिंघणपुर-डभोली पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाली 19 वर्षीय ट्यूशन शिक्षिका से जबरदस्ती संबंध बनाने के लिए दबाव डालने और 30,000 की मांग करके आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पुलिस ने एक किशोर को हिरासत में लेकर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया था। वहीं, उसके पिता को गिरफ्तार कर रिमांड लेने के बाद न्यायालय ने जेल कस्टडी में भेजा था।

अपराध जघन्य अपराध की परिभाषा में नहीं आता, जाँच अधिकारी को जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा-15 के तहत आवेदन देने का अधिकार नहीं है — ऐसी दलील दी गई।

इस दौरान जांच अधिकारी पीआई वाय.बी. गोहिल और मूल शिकायतकर्ता पियूष मांगुकिया ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष आवेदन देकर कहा था कि आरोपी किशोर की उम्र 17 साल, 11 महीने और 23 दिन है यानी वह बालिग होने से केवल सात दिन दूर है। ऐसे में उस पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाया जाए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जेजे एक्ट की धारा 15 के अनुसार, किशोर पर जघन्य अपराध के आरोप हैं और वह एक वयस्क जैसी मानसिकता रखता है, इसलिए उसे वयस्क मानकर केस चलाया जाए।

इसके विरोध में किशोर की ओर से अधिवक्ता कल्पेशभाई देसाई और राकेश मैसुरिया ने दलील दी कि भारतीय दंड संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) जघन्य अपराध की परिभाषा में नहीं आती, क्योंकि यह ऐसा अपराध नहीं है जिसमें न्यूनतम सात वर्ष की सजा अनिवार्य हो। इसलिए यह जेजे एक्ट में ''हीनियस क्राइम'' की श्रेणी में नहीं आता। साथ ही, जेजे एक्ट की धारा 15 के तहत केवल जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड को ही यह अधिकार है कि वह यह आकलन करे कि किशोर पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाया जाए या नहीं। किसी पुलिस अधिकारी को ऐसा आवेदन करने का अधिकार नहीं है।

इन दलीलों को स्वीकार करते हुए जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने कानून के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए जांच अधिकारी और मूल शिकायतकर्ता द्वारा की गई मांग — कि किशोर पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाया जाए — को खारिज कर दिया है।

पुलिस जैसी वर्दी में कार्यरत सुरक्षाकर्मी का व्यवहार कितना उचित?

सूरत में चाय की लारी चलाने वाले दंपती और मनपा कर्मचारियों के बीच झड़प

दो तस्वीरों से स्पष्ट हुआ कानून का पालन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में सूरत महानगरपालिका (SMC) के अतिक्रमण शाखा के कर्मचारियों और एक चाय की लारी चलाने वाले दंपती के बीच हुई जोरदार झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

सूरत महानगरपालिका क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले दबंगों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में पालिका की उधना ए जोन की टीम पांडेसरा इलाके में स्थित सरकारी जमीन से नुक़सानदायक अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। आरोप है कि कुछ दबंगों ने पालिका की टीम को घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। इस दौरान पालिका और अतिक्रमणकारियों के बीच जमकर झड़प हुई।

स्थिति बिगड़ने से पहले पुलिस को बुला लिया गया था और पुलिस बंदोबस्त की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का कार्य किया गया। पांडेसरा डी मार्ट के पास की सरकारी जमीन पर कुछ लोगों ने लारी-गल्ले लगाकर अतिक्रमण कर रखा था, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इस अतिक्रमण के खिलाफ कई बार शिकायतें मिली थीं।

जैसे ही पालिका की टीम मौके पर पहुंची, अतिक्रमण करने वाले लोगों ने एकजुट होकर विरोध किया और टीम को घेर लिया। आरोप है कि पालिका की टीम पर धक्का-मुक्की की गई। इसके बावजूद टीम ने लारी हटाने का कार्य शुरू कर दिया, तभी महिलाओं समेत कुछ पुरुषों ने पालिका कर्मचारियों से हाथापाई शुरू कर दी।

इस झगड़े में खुलेआम सड़क पर मारपीट होती नजर आई। हालात बेकाबू होते इससे पहले ही पुलिस को बुलाया गया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

अब सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या पुलिस जैसी वर्दी पहनकर कार्रवाई कर रहे पालिका सुरक्षाकर्मियों का व्यवहार उचित था? यह भी जांच का विषय बन सकता है।

10 साल बाद राजस्थान-पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़ा गया हत्यारा

युवक की हत्या कर किए थे टुकड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रांदेर इलाके में हुई एक हत्या के बाद फरार आरोपी को राजस्थान-पाकिस्तान सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने युवक की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया था और शव के पांच टुकड़े कर फेंक दिए थे।

कानून तोड़ने वाला चाहे जितना दूर भागे, लेकिन कानून उसका पीछा नहीं छोड़ता। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को 10 साल बाद गिरफ्तार किया है।

2015 में रांदेर हत्या कांड के वांछित आरोपी के राजस्थान में पाकिस्तान बॉर्डर के पास रामसर क्षेत्र में छिपे होने की पक्की जानकारी पुलिस को मिली थी। इस सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने राजस्थान में डेरा जमाया। टीम ने रेगिस्तानी इलाके में कई दिनों तक ग्रामीण वेशभूषा अपनाकर छानबीन की और अंतत: पाकिस्तान सीमा के पास से आरोपी हबीबुल्ला उर्फ हबीब सुलेमान समा को गिरफ्तार कर लिया।

फरवरी 2015 में रांदेर पुलिस थाना क्षेत्र के 'एलाइट एन्क्लेव' नामक निर्माण स्थल पर यह खौफनाक हत्या हुई थी। आरोपी हबीब वहां अपने साथी बर्कत के साथ काम करता था। बर्कत सिंधी की जान-पहचान की महिला रेहाना ने उससे कहा था कि उसका पति युसुफ उसे बहुत प्रताड़ित करता है और अपनी ही बेटी के साथ भी अनुचित हरकतें करता है। रेहाना ने अपने पति से छुटकारा पाने और तलाक चाहने की बात कही थी।

इसके बाद बर्कत ने रेहाना और उसके पति युसुफ को भरूच के उमरसा गांव के पास स्थित च्एलाइट एन्क्लेवज् साइट पर रात को बुलाया था। वहां आरोपी ने युसुफ पर कुल्हाड़ी से लगभग तीन वार किए, उसका सिर धड़ से अलग कर दिया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। बाद में शव के टुकड़े कर फेंक दिए गए थे।

एजेंसी का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू न होने से नागरिक परेशान

आधार कार्ड सेवाएं ठप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आधार कार्ड अपडेट समेत अन्य सेवाओं के लिए अब नागरिकों को रोजाना चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कारण यह है कि शहर में आधार कार्ड सेवाएं देने वाली च्अबाउंटरज् नामक एजेंसी का कॉन्ट्रैक्ट 21 जुलाई को समाप्त हो गया है, और अब तक उसका नवीनीकरण नहीं किया गया है।

महानगरपालिका अधिकारियों की लापरवाही और सुस्त कार्यशैली के चलते आम लोगों के लिए आधार कार्ड से जुड़ा कोई भी काम करवाना इन दिनों बेहद कठिन हो गया है। जो लोग रोजगार, बच्चों के एडमिशन या अन्य कानूनी कार्यों के लिए आधार अपडेट करवाने आते हैं, उन्हें ''दो-तीन दिन बाद आओ'' कहकर लौटा दिया जाता है।

झोनल ऑफिस में लाइन में लगने वाले और बिना काम के लौटने वाले नागरिक जयसुखभाई ने कहा: ''मैं तीन दिन से लगातार आ रहा हूं, लेकिन कहते हैं कि एजेंसी का काम बंद है। अब आधार कब अपडेट होगा, कुछ पता नहीं...''

आज के समय में आधार कार्ड स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग समेत अनेक मामलों में अनिवार्य बन चुका है। ऐसे समय में सेवाओं का बंद हो जाना आम नागरिकों के लिए नई समस्याएं खड़ी कर देता है। यह जरूरी है कि जिम्मेदारी तय की जाए कि शासन तंत्र की इस तरह की निष्क्रियता से आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर कितना असर पड़ता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि - जब कॉन्ट्रैक्ट रिन्यूअल जैसी प्रक्रिया पहले से तय होती है, तो उसमें इतनी लापरवाही और ढिलाई क्यों?

सूरत पालिका के उधना जोन में ड्रेनेज कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की ड्रेनेज कमेटी में खिंचाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के उधना ज़ोन के अधिकारियों की कमजोर कार्यप्रणाली के कारण कई परिवार आज भी ड्रेनेज कनेक्शन से वंचित हैं। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद सोमवार को हुई ड्रेनेज कमेटी की बैठक में कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई गई। उधना ज़ोन की 50 से अधिक सोसायटियों में ड्रेनेज की सुविधा नहीं है। इन सोसायटियों में तुरंत ड्रेनेज का कार्य शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सूरत महानगरपालिका की ड्रेनेज कमेटी की बैठक सोमवार को आयोजित की गई थी। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ड्रेनेज कमेटी के अध्यक्ष केयूर चपटवाला ने सुझाव दिया कि शहर में ड्रेनेज और स्टॉर्म ड्रेनेज के ढक्कन एक ही रंग के होने के कारण भ्रम की स्थिति बनती है। इसे दूर करने के लिए उन्होंने दोनों तरह की लाइनों के ढक्कनों को अलग-अलग रंगों में रंगने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, उधना ज़ोन के कॉर्पोरेटर सोमनाथ मराठा ने बैठक में शिकायत की कि उधना ज़ोन के अधिकारियों ने ड्रेनेज लाइन का कार्य करवाने की बजाय केवल सर्वे के नाम पर खानापूर्ति करते हुए गड्ढे खोद दिए, परंतु वास्तविक काम नहीं करवाया। इससे नागरिकों में पालिका के प्रति नाराज़गी देखी जा रही है।

बैठक में ड्रेनेज कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई गई। इसके बाद चेयरमैन ने उधना ज़ोन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तत्काल प्रभाव से सभी सोसायटियों में ड्रेनेज लाइन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कार्य प्रारंभ करें।

रांदेर जोन के वरियाव क्षेत्र में

31 जुलाई से 8 अगस्त तक पानी की आपूर्ति कम और कम दबाव में होगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका के सूरत महानगर पालिका के रांदेर ज़ोन में स्थित जल टंकी के वाल्व की मरम्मत का कार्य किया जाएगा। साथ ही हाइड्रोलिक विभाग की अन्य तकनीकी कार्यवाही भी की जाएगी। इस कारण रांदेर ज़ोन के वरियाव क्षेत्र में 31 जुलाई से 8 अगस्त तक पानी की आपूर्ति कम मात्रा और कम दबाव में होगी। पालिका द्वारा यह जानकारी दी गई है कि यह कार्य पूरा होने के बाद 9 अगस्त से जल आपूर्ति सामान्य रूप से फिर से शुरू हो जाएगी। रांदेर ज़ोन में वरियाव वाई जंक्शन पर स्थित ओवरहेड टंकी से जुड़े 500 मिमी डी.आई. इनलेट वर्टिकल पाइप लाइन में लीक होने के कारण उसे बदला जाएगा। वाल्व और पाइपलाइन को बदलने का कार्य 31 जुलाई से शुरू होकर 8 अगस्त को पूर्ण किया जाएगा। इस कार्य के चलते पालिका ने वरियाव क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे 31 जुलाई से 8 अगस्त के बीच जल का मितव्ययी उपयोग करें और आवश्यकतानुसार पानी का संग्रह कर लें ताकि असुविधा न हो।

दादरिया गांव में हुए भ्रष्टाचार का मामला

जिला शिकायत निवारण में आवेदन के बाद सामने आईं अहम जानकारियाँ- वालोड तहसील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वालोड तहसील के दादरिया गांव में भ्रष्टाचार को लेकर उठी शिकायत अब जिला स्तर पर जांच के अंतिम चरण में पहुंच गई है, जिससे यह मामला गंभीरता से विचारणीय बन गया है। 24 जुलाई 2025 को आयोजित जिला च्स्वागतज् शिकायत निवारण कार्यक्रम में आवेदक कार्तिक चौधरी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। वालोड के तालुका विकास अधिकारी द्वारा आवेदक की प्रस्तुतियों का जवाब दिया गया। प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, दादरिया गांव के मामले में जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा 1 मई 2025 को जिला स्तर पर रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके आधार पर तालुका विकास अधिकारी ने भी अपनी आधिकारिक रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजी थी।

तापी के नायब जिला विकास अधिकारी के अनुसार, यह मामला जिला जांच समिति में विचाराधीन है, और समिति को निष्पक्ष जांच करके तीन दिन में निर्णय देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच में कोई अधिकारी या कर्मचारी लापरवाह पाया जाता है, तो सात दिनों के भीतर उसके विरुद्ध उचित कार्रवाई करने का आदेश जारी किया गया है।

इस पूरी प्रक्रिया की लिखित रिकॉर्डिंग की गई है और चर्चाओं के अनुसार, नायब जिला विकास अधिकारी तापी ने इस मामले की रिपोर्ट जिला विकास अधिकारी को सौंप दी है। हालांकि अब तक रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद है कि सीमित समय में इसका खुलासा कर दिया जाएगा।

इस समय वालोड तहसील में रिपोर्ट के सार्वजनिक होने को लेकर आम जनता में भारी उत्सुकता देखी जा रही है। वहीं लोगों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जांच केवल सरपंच या तलाठी तक सीमित रहेगी या फिर ऊंचे अधिकारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी?

भविष्य में यह रिपोर्ट वास्तव में निष्पक्ष और न्यायपूर्ण कार्रवाई की दिशा में जाएगी या नहीं, यह तो समय ही बताएगा। मगर स्थानीय जनता और पत्रकार वर्ग इस मामले पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

श्रावण मास में उपवास के दौरान खाए जाने वाले फराळी आटे के सैंपल सूरत पालिका ने लेकर जांच के लिए भेजे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रावण महीने की शुरुआत के साथ ही सूरत शहर में फराळी आटे की जोरदार बिक्री हो रही है। यह आटा मिलावटी है या नहीं, इसकी जांच के लिए आज सुबह से ही सूरत महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में जांच शुरू की। फराळी आटा बेचने वाले 8 व्यापारियों से सैंपल लेकर उन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है।

पिछले वर्षों में सूरत शहर में फराळी आटे में मिलावट के मामले सामने आए थे, इसी को ध्यान में रखते हुए पालिका ने इस बार सतर्कता बरतते हुए 8 संस्थाओं से आटे के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर फराळी आटा बेचने वालों से ये सैंपल लिए।

श्रावण मास के शुरू होते ही सूरतवासी धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत हो जाते हैं और बड़ी संख्या में लोग उपवास रखते हैं। इन उपवासों में वे विभिन्न फराळी व्यंजन ग्रहण करते हैं, जिसके लिए शहर में कई जगह फराळी आटे की बिक्री हो रही है। इस आटे की शुद्धता की जांच के लिए सूरत महानगरपालिका के फूड विभाग की टीम ने सुबह से ही कार्रवाई शुरू की। दोपहर तक 8 एजेंसियों से फराळी आटे के सैंपल लिए गए हैं और इन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। यदि किसी संस्था द्वारा दिए गए सैंपल में मिलावट पाई जाती है, तो सूरत महानगरपालिका द्वारा संबंधित विक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।